



समाज जागरण



फिरोजी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 3 अंक: 128 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 19 फरवरी 2025

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

सीएम नीतीश की सुरक्षा में हुई चूक

समाज जागरण जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना में मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान आज कैमरु जाने के लिए जब मुख्यमंत्री आवास से रवाना हुए तो उनकी सुरक्षा में बड़ी चूकी हुई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दोनों प्रगति यात्रा पर सूबे के अलग-अलग जिलों में जा रहे हैं। ऐसे में आज सुबह जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कैमरु के लिए सीएम आवास से रवाना हुए और एयरपोर्ट जाने के रास्ते में पटना जू के पास पहुंचे तो अचानक सीएम के कारकेड को रोकना पड़ गया। इसके बाद वहां मौजूद ट्रैफिक के अधिकारियों में भी अफरा तफरी मच गई कि आखिर इसकी वजह क्या है। बताया जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार का काफिला जब पटना के चिड़िया घर के पास पहुंचा तभी अचानक से सामने से एक कार आ गई जिसके बाद सीएम नीतीश कुमार के कारकेड को रोकना पड़ गया। इसके बाद अब इसे कम की सुरक्षा में बड़ी चूक बताई जा रही है। इसके बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर वहां मौजूद पुलिस पदाधिकारी द्वारा पहले से इस चीज का ध्यान क्यों नहीं रखा गया। आखिर सीएम का काफिला जब गुजर रहा था तो फिर अचानक से कोई कार बीच में कैसे आ गया। जबकि अमूमन एक मंत्री का भी काफिला गुजरता है तो कुछ देर के लिए आम लोगों को रोक दिया जाता है कि मंत्री के काफिले के बीच में नहीं रोकना पड़े और जब बात मुख्यमंत्री कि हो तो इनकी सुरक्षा का लेयर



काफ़ी हाई होता है और छोटे से बड़े हर किसी को सीएम के मूवमेंट के बारे में जानकारी दी जाती है और सीएम के निकलने से कुछ देर पहले ही उनके रूट को आम लोगों के लिए कुछ देर के बाद लिए बंद कर दिया जाता है। इस बीच यदि किसी आम लोगों की गाड़ी आती है तो यह खुद में एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। साल 2022 में जनवरी महीने में पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पंजाब के फिरोजपुर में रैली को संबोधित करने जा रहे थे जहां अचानक रैली का कार्यक्रम रद्द हो जाने के चलते पीएम का काफिला वापस लौट रहा था। तभी हुसैनीवाला में दूसरी तरफ से प्रदर्शनकारी किसानों के अचानक आ जाने से पीएम का काफिला एक फ्लाई ओवर पर करीब 20 मिनट तक रुका रहा जिससे पीएम की सुरक्षा में भारी चूक माना जा रहा है।

'बस बहुत हो गया' सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल अधिनियम को चुनौती देने वाली नई याचिकाओं को किया खारिज!

समाज जागरण

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने पूजा स्थल अधिनियम 1991 को चुनौती देने वाली नई याचिकाओं की लगातार आ रही बाढ़ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, "बस बहुत हो गया। अब इस पर रोक लगनी चाहिए।" कोर्ट ने अब स्पष्ट किया है कि आगे कोई याचिका स्वीकार नहीं की जाएगी। नई याचिकाओं को खारिज करते हुए बेंच ने हस्तक्षेप याचिकाओं को अनुमति दी है, जो नए कानूनी आधार पेश करती हैं। पूजा स्थल अधिनियम 15 अगस्त, 1947 को पूजा स्थलों की धार्मिक प्रकृति में किसी भी तरह के बदलाव को प्रतिबंधित करता है, राम जन्मभूमि विवाद एकमात्र अपवाद है, यह कानून कई कानूनी लड़ाइयों का विषय रहा है, खासकर वे जो अतीत में कथित रूप से ध्वस्त किए गए हिंदू मंदिरों को वापस पाने की मांग कर रहे हैं। अश्विनी कुमार



उपाध्याय ने अधिनियम को मूल चुनौती दायर की थी, लेकिन पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू समूहों द्वारा दायर 18 मुकदमों पर कार्यवाही रोक दी थी। इन मामलों में शही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि, काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद और संभल मस्जिद से जुड़े विवाद शामिल हैं। चूँकि अदालत कानून की वैधता पर दलीलें सुन रही है, इसलिए इस मामले ने महत्वपूर्ण राजनीतिक रुचि पैदा की है। कांग्रेस और एआईएमआईएम सहित कई विपक्षी दलों ने अधिनियम के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, उनका तर्क है कि सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए इसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, दक्षिणपंथी समूहों ने कानून का विरोध किया है और स्थलों को पुनः प्राप्त करने के अधिकार की वकालत की है। न्यूज एंजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर में 'गहरी साजिश' ? पुलिस ने मंदिर के पास ड्रोन को मार गिराया

अयोध्या: पुलिस ने मंगलवार को एंटी-ड्रोन सिस्टम के ट्रायल के दौरान राम मंदिर मार्ग पर उड़ रहे एक ड्रोन कैमरे को रोकना और उसे मार गिराया, अधिकारियों ने कहा। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए कहा कि यह राम मंदिर में अराजकता पैदा करने की गहरी साजिश थी, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालु मारे जा सकते थे। हालांकि, पुलिस ने आगे की जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि मामले की जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, साजिशकर्ता की पहचान कर ली गई है और वह हरियाणा के गुरुग्राम का रहने वाला है। इससे पहले, अधिकारियों ने कहा कि बम निरोधक दस्ते ने ड्रोन कैमरे की गहन जांच की और पुष्टि की कि कोई सुरक्षा खतरा नहीं है। राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया

सड़क के ठेकेदार का अजब कारनामा! नई सड़क में उगी घास

समाज जागरण

राजगढ़ मीरजापुर / विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के सेमरा रजवाहा से निकली धनसीरिया माइनर में 3 महीने पूर्व नहर में काम लगाया गया था। जिससे पटरी की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी और जगह-जगह गड्ढे बन गए थे। नहर विभाग के ठेकेदार के द्वारा दोबारा से नई सड़क बनाया जा रहा है। लेकिन घंटिया क्वालिटी के तरीके से सड़क का काम पूरा कर दिया गया। सड़क तो बना दिया गया लेकिन सड़कों में घास उगी हुई है। सड़कों में घास देखकर ग्रामीण हंस रहे हैं। सड़कों की कुटाई किए बिना ही घंटिया क्वालिटी का सामान लगाकर गिट्टी डालकर सड़क बना दिया गया। यह सड़क कितने दिन चलेंगी देखने वाली बात होगी। ठेकेदार के द्वारा जल्दबाजी में काम को पूरा किया गया है। जिले की अधिकारी भी आंख मूंद कर बैठे हुए हैं कभी भी मौके का मुआयना नहीं करते हैं। जिससे ठेकेदार मनमाने तरीके से सड़क बनाकर चले जाते हैं और जल्द ही सड़कें



खराब होने लगती है। नहर की पटरी पर 5 किलोमीटर की नई सड़क बन रही है लेकिन ग्रामीणों के विरोध के कारण रात में काम को पूरा किया गया। अभी एक हफ्ते पूर्व ही ग्रामीणों ने इसी सड़क की शिकायत की थी लेकिन मात्र सौ मीटर की दूरी की सड़क बनी लेकिन सड़क में घास उगी हुई है। बाकी भगवान भरोसे। बनने के बाद सड़क पर गिट्टिया उखड़ने लगी क्षतिग्रस्त सड़क पर ही नई गिट्टी डालकर सड़क बनाया जा रहा है। मनमाने तरीके से सड़क

निर्माण में घंटिया क्वालिटी का मटेरियल लगाकर कोरम पूरा किया गया है। लेकिन सड़क के दोनों तरफ घास में ही सड़क का निर्माण कर दिया गया। जिससे दोनों तरफ चलने पर घास ही घास दिखाई दे रही है। 10 दिन पूर्व ही बनी सड़क की गिट्टिया उखड़ने लगी इसके अलावा ट्रैक्टर गुजरने से सड़क क्षतिग्रस्त। लापरवाही और घंटिया क्वालिटी का सामान लगाकर किया गया कोरमपुरा जांच के नाम पर अधिकारी कुछ नहीं करते।

समाज जागरण जिला संवाददाता:

वेद प्रकाश

पटना/ भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 25 फरवरी को बिहार दौरे पर आ रही हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करना है, जो ज्ञान भवन में आयोजित होगा। इसके साथ ही, वे पटना के राजेंद्र नगर स्थित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साइंस सिटी का भी दौरा करेंगी। राष्ट्रपति का यह दौरा बिहार के लिए बेहद खास और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) बिहार और पूर्वी भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित अस्पतालों में से एक है। इस अस्पताल की स्थापना को 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भव्य शताब्दी समारोह आयोजित किया



जा रहा है। करोड़ों की लागत से पुनर्निर्मित यह अस्पताल बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उद्घाटन समारोह में शामिल होकर बिहारवासियों को एक ऐतिहासिक सौगत देंगी। शताब्दी

समारोह में राष्ट्रपति दोपहर 12:15 बजे पहुंचेंगी और एक घंटे तक यानी 1:15 बजे तक उपस्थित रहेंगी। इस दौरान कई प्रमुख नेता और गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल होंगे। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, सांसद रविशंकर प्रसाद सहित अन्य विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। पीएमसीएच के शताब्दी समारोह में भाग लेने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पटना के राजेंद्र नगर स्थित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साइंस सिटी का दौरा करेंगी। यह साइंस सिटी भारत के महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को समर्पित है। 82,900 वर्गमीटर में फैली

यह साइंस सिटी विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। इसका उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं और आम जनता को विज्ञान की खोज, कार्य प्रणाली और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक और प्रेरित करना है। बिहार की वैज्ञानिक विरासत को सहेजने और बढ़ावा देने के लिए इसे एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा बिहार के लिए कई मायनों में अहम है। एक ओर पीएमसीएच का शताब्दी समारोह बिहार की स्वास्थ्य सेवकों को नई दिशा देगा, तो दूसरी ओर साइंस सिटी बिहार में विज्ञान और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगी। इस दौरे से बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी और राज्य के विकास को एक नई गति मिलेगी।

ममता बनर्जी के बयान पर संत समाज में आक्रोश

महाकुम्भ की 'मृत्यु कुंभ' बताने पर भड़के संत, बयान पर जताई नाराजगी

महाकुम्भ स्नान की दिव्यता का प्रतीक: महंत जमुना पुरी
ममता बनर्जी अपने प्रदेश का आत्मचिंतन करें: स्वामी अरुण गिरी
कुम्भ का अपमान स्नानत का अपमान: महंत राजेंद्र दास
संत समाज ने ममता बनर्जी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की

पुरी जी ने कहा कि ममता बनर्जी जिस जिम्मेदार पद पर हैं, वहां से ऐसा बयान देना शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, "प्रयागराज महाकुम्भ अमृत पर्व है, जिसकी दिव्यता और भव्यता पूरे विश्व ने देखी है। ममता बनर्जी को महाकुम्भ के नाम के साथ ऐसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।"



ममता बनर्जी को माफी मांगनी चाहिए

धार्मिक विषयों में राजनेता टिप्पणी न ही करें तो उचित

अयोध्या हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने ममता बनर्जी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को अपने शब्दों के लिए माफी मांगनी चाहिए। इसी तरह, अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, "संत समाज ममता बनर्जी के बयान की कड़ी निंदा करता है। महाकुम्भ स्नानत संस्कृति और श्रद्धा का प्रतीक है।"

गोवर्धन मठ पुरी के स्वामी अयोध्याजानंद देव तीर्थ ने कहा, "ममता बनर्जी को स्वयं प्रयागराज महाकुम्भ आकर उसका अवगाहन करना चाहिए। जिस अमृत कुम्भ में 50 करोड़ से अधिक स्नानतियों ने पुण्य अर्जित कर दिव्य अनुभूति का अवगाहन किया उसे मौत का कुम्भ कहना अत्यंत निंदनीय है। धार्मिक विषयों में राजनेता टिप्पणी न ही करें तो उचित होगा।"

महाकुम्भ का अपमान स्नानत का अपमान

ममता बनर्जी स्नानत विरोधी

निमोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास ने ममता बनर्जी के बयान को स्नानत धर्म का अपमान बताया। उन्होंने कहा, "प्रयागराज महाकुम्भ ने स्नानत

का अपमान स्नानत का अपमान ममता बनर्जी स्नानत विरोधी महामंडलेश्वर ईश्वर दास महाराज ने कहा कि ममता बनर्जी का बयान स्नानत धर्म के खिलाफ उनकी मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा, "ममता बनर्जी हमेशा स्नानत का विरोध करती आई हैं। वह बंगाल को दूसरा बांग्लादेश बनाना चाहती हैं।"

महाकुम्भ के महाआयोजन से उत्तर से दक्षिण भारत तक स्नानत का उत्साह चरम पर

महाकुम्भ में पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण बोले यह दिव्य समागम



महाकुम्भनगर, 18 फरवरी : दुनिया के सबसे बड़े समागम को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्य और नव्य महाकुम्भ की संकल्पना को साकार कर दिखाया है, जिसे लेकर उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक के लोगों का उत्साह चरम पर है। ये बातें महाकुम्भ में मंगलवार को पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने संगम की रीती पर कहीं। उनका यह भी कहना था कि विश्व के सबसे बड़े आयोजन में कुछ लोग नेगेटिव बातें भी कर रहे, लेकिन आम आदमी उनकी सच्चाई समझते हैं।

संगम में स्नान किया और इस अद्वितीय अनुभव को भारतीय स्नानत धर्म के श्रद्धालुओं के लिए एक अलौकिक घटना बताया। जोशी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस विशाल आयोजन के लिए की गई व्यवस्थाएं अद्भुत और अकल्पनीय हैं। उनके अनुसार करोड़ों श्रद्धालुओं का संगम तक पहुंचना इस आयोजन को एक विशेष स्थान देता है। जो भारत के स्नानत धर्म की ताकत को प्रदर्शित करता है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सांसद ने संगम में पवित्र स्नान किया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि भारत का स्नानत धर्म बहुत प्रबल है। श्रद्धालुओं के अपार जनसमूह को व्यवस्थित करने के लिए केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद ने योगी सरकार की सराहना की। स्नानत धर्म के श्रद्धालुओं के लिए अलौकिक घटना केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने महाकुम्भ में पवित्र

स्नानत धर्म की ताकत से दुनिया प्रभावित है प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत का स्नानत धर्म श्रद्धा रखने वाले लोगों के लिए एक अलौकिक अनुभव है। देशभर से रोज लाखों करोड़ों लोग संगम तक पहुंच रहे हैं, जो भारतीय स्नानत धर्म की ताकत का प्रतीक है। जोशी ने यह भी कहा कि भारत दुनिया के सबसे अच्छे देशों में से एक है, जहां लोग सुख-शांति के साथ रहते हैं। इस महाकुम्भ के आयोजन ने इस धारणा को और भी सशक्त बनाया है।

राष्ट्रीयता एवं स्वाभिमान के प्रतीक थे छत्रपति शिवाजी

इतिहासकारों, विशेषकर अंग्रेज इतिहासकारों ने भारत के जिन महापुरुषों के साथ अन्याय किया है, उनमें छत्रपति शिवाजी भी हैं। उनके जिन गुणों एवं विशेषताओं को आदर एवं सम्मान के साथ वर्णन किया जाना चाहिए था, उनकी लगभग उपेक्षा ही की गई है। विश्व के इस श्रेष्ठ इतिहास पुरुष को मात्र हिन्दवी स्वराज या हिन्दू पद पादशाही के नेता के रूप में चित्रित किया गया है तथा सर्व धर्म समभाव तथा सभी जातियों के प्रति सम्मान, सद्भाव एवं आदर के उनके गुण एवं विशेषताओं को ज्यादा महत्व नहीं दिया गया है। राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के उनके अमूल्य संघर्ष को हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष निरूपित किया गया। यहाँ तक कि कुछ अंग्रेज इतिहासकारों तथा मुगलिया इतिहास लेखकों ने उन्हें एक लुटेरा-शासक निरूपित करने की हीन हरकत तक की है।

वस्तुतः शिवाजी का संपूर्ण जीवन ही भारत में राष्ट्रीयता एवं स्वाभिमान को विकसित करने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने हिन्दू संस्कृति की रक्षा करने का प्रयास किया, पर इसके साथ ही उन्होंने दूसरे धर्मों को भी सम्मान दिया। यही कारण था कि शिवाजी ने यह नियम बना दिया था कि उनके सैनिक, धार्मिक एवं पवित्र स्थानों, मस्जिदों, स्त्रियों और कुरान शरीफ को किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुंचायेगी और न इनका अपमान करेगा। कुरान की



कोई प्रति जब उन्हें मिल जाती थी तो वे उसका पूरी तरह आदर एवं सम्मान करते थे। किसी हिन्दू या मुस्लिम स्त्री को जब बंदी बना लिया जाता था तो शिवाजी उस समय तक उसकी देखरेख करते थे, जब तक कि वह स्त्री उसके परिजनों को सौंप नहीं दी जाती थी। कई मुस्लिम स्त्रियों को उन्होंने मां के संबोधन से संबोधित किया था। उन्होंने मकबরों तथा धार्मिक स्थानों को अनुदान देने की प्रथा को पुनः लागू किया था। यही कारण था कि उनकी सेना में कई मुस्लिम अधिकारी थे, जिसमें मुंशी हैदर, सिद्धि सम्बल, सिद्धि मिसरा दरिया, सांगर, दौलत खां, सिद्धि हलाल और नूर खां के नाम उल्लेखनीय हैं। ये सभी शिवाजी के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं आस्था रखते थे। शिवाजी ने पहली बार भारत में सुव्यवस्थित जलसेना की स्थापना की थी। इस जलसेना का सेनापति भी एक मुस्लिम दौलत खां था।

सर्वधर्म समभाव के साथ-साथ शिवाजी ने हिन्दू धर्म में व्याप्त जाति प्रथा के आधार पर भेदभाव की भावना को समाप्त करने का भी प्रयास किया था। उनकी धारणा थी कि व्यक्ति का सम्मान जाति के आधार पर नहीं होना चाहिए। इसलिए जहाँ उन्होंने ब्राह्मण विद्वानों को सम्मान एवं आदर दिया, वहीं उन्होंने मल्लाह, कोली, बाघर, संधर, एवं अन्य उपेक्षित जातियों को संगठित करके उन्हें भी अपनी सेना में स्थान दिया।

अंग्रेज इतिहासकारों ने शिवाजी के जिस संघर्ष को हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष का नाम दिया, वस्तुतः वह धार्मिक कट्टरता के विरुद्ध सर्वधर्म समभाव का संघर्ष था। औरंगजेब ने दिल्ली में सत्ता सम्हालते ही जो आदेश जारी किए थे, उनसे हिन्दू ही नहीं अपितु मुसलमानों का स्वाभिमान एवं धार्मिक भावनाएं आहत हो रही थीं। उसने राज दरबार में उपस्थित होने वाले हिन्दुओं द्वारा मस्तक पर तिलक लगाना रोक दिया था, होली के उत्सव एवं जुलूस बंद कर दिए थे, नये मंदिरों के निर्माण पर पाबंदी लगा दी थी, सैकड़ों पुराने मंदिरों को तोड़ दिया गया था।

बैठकी

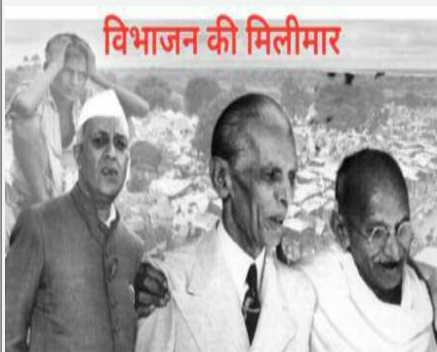
भारत के भविष्य की धूरी- "धर्म या राष्ट्रवाद"

दैनिक समाज जागरण

सरजी, मेरा भतिजा मास्टर डिग्री का विद्यार्थी है। कल मैंने उससे पूछा कि भारतीय राजनीति के परिप्रेक्ष्य में धर्म को महत्व देना चाहिए या राष्ट्र को!! तो उसका जबाब था --"राष्ट्र"। क्या ये उत्तर सही है!! -- उमाकाका बैठते ही मुद्रा रख दिये।

काकाजी! धर्म, राष्ट्र की आत्मा होती है। बिना धर्म के राष्ट्र जीवित नहीं रह सकता और बिना राष्ट्र के व्यक्ति का अस्तित्व नहीं। महात्मा गांधी ने इस बिंदु पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि "वास्तव में जितने व्यक्ति होते हैं, उसके उतने धर्म होते हैं, किंतु राष्ट्र एक होता है और राष्ट्रीयता की भावना भी एक होती है। यही भावना राष्ट्र की ताकत है। राष्ट्रीयता जाति, भाषा, पंथ, मजहब, परम्पराओं, संस्कृतियों के साथ एक निश्चित भौगोलिक सीमा में रहने वाले नागरिकों के लिए समान होती है"।

महात्मा गांधी की ऐसी सोंच, एक आदर्श हो सकता है लेकिन भारत ही नहीं विश्व की ऐतिहासिक एवं



वर्तमान परिस्थितियों का आंकलन करेंगे तो गांधी का ये आदर्श, भारतवासियों को खासतौर पर हिंदुओं को मूर्ख बनाने का इस्लामिक अस्त्र, "अलतकिया" था जो धार्मिक आधार पर भारत विभाजन के साथ ही स्पष्ट हो चुका था और आज हमारे देश में भी तुष्टीकरण के रूप में जाहिर हो चुका है। -- मैं चुप हुआ।

काकाजी! आक्रांताओं और अंग्रेजों की गुलामी के पश्चात विभाजित भारत की शिक्षा व्यवस्था वैसे काग्रेसी शिक्षा मंत्रियों के हाथों दशकों तक रही जो कट्टर इस्लाम परसत एवं वामपंथी विचारधारा के रहे।



जिसने स्वतंत्र भारत में ऐसी शिक्षा नीति एवं शिक्षा व्यवस्था बनायी जिसने, हिंदुओं की गौरवशाली सनातन संस्कृति और इतिहास को उपहास का पात्र



बना दिया ताकि हिंदू पीढ़ियाँ, अपने धर्म, संस्कृति एवं संस्कार से दूर होती जाय। हिंदुओं की पीढ़ियों को धर्मनिरपेक्षता के साथ साथ पाश्चात्य संस्कृति की विरुद्ध ऐसा परिवेश बना दिया जिसमें, यदि काकाजी का भतीजा, धर्म की जगह, राष्ट्र को अहमियत दे रहा तो कोई आश्चर्य नहीं। यही उत्तर, देश के 99 प्रतिशत हिंदू नौजवानों का होगा जो देश के भौगोलिक भविष्य को पुनः संकट में डालने वाला है। -- मास्टर साहब मुंह बनाये।

मास्टर साहब! हमनी के मानेनी जा जे--"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी"। हमनी के देश के श्रेष्ठ मानतानी जा तबे नु "भारत माता की जय", "वंदेमातरम्, कहनेनी जा!! -- मुखियाजी खैनी मलते हुए।

ठीक कहते हैं मुखियाजी! राष्ट्र हमारे लिये माता समान है जो हमारा भरण पोषण करती है लेकिन राष्ट्र बिना धर्म के जीवित नहीं रह सकता। राष्ट्र बनते बिगड़ते हैं लेकिन राष्ट्रों का निर्माण धर्म ही करता है। जैसे जैसे सनातन धर्म सिकुड़ता गया अखंड भारत, 10 से भी अधिक टुकड़ों में विभाजित होता गया। अगर राष्ट्र महत्वपूर्ण होता तो अखंड भारत से--अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बंगलादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, इंडोनेशिया, थाइलैंड आदि देशों का निर्माण कैसे हो गया!! -- कुंवरजी अखबार पलटते हुए।

इसबीच बेटी चाय का ट्रे रख गई और हमसभी एक एक कप उठाकर पुनः वार्ता में.....

हमारे देश में हिंदुओं को मूर्ख बनाने के लिए "प्रथम राष्ट्र" की दुहाई दी जाती है। मुसलमानों के संदर्भ में देखा जाय तो उनके लिए देश, जमीन का एक टुकड़ा मात्र होता है और इस्लाम पंथ ही सबकुछ होता है। इसका प्रमाण है कि सन् 610 के पहले इस्लाम के नाम पर एक गांव नहीं था लेकिन आज 58 इस्लामिक देश हैं। इतना ही नहीं विश्व में जिन देशों में ये आज, अल्पसंख्यक भी हैं वहाँ-वहाँ धार्मिक उन्माद फैलाकर, उस देश के इस्लामीकरण के चक्कर में रहते हैं या फिर विभाजन

के राष्ट्रवादिता, ऐसे व्यवहार के लक्षण नहीं। -- सुरेंद्र भाई हाथ चमकाये।

मुखियाजी! मनुस्मृति के अध्याय 8 का 15 वां श्लोक है --

धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः तस्माद्धर्मो न हन्त्वो मा नो धर्मो हतोऽवधीत।।

अर्थात्, जो धर्म को छोड़ते हैं या जो धर्म को तोप करते हैं उसे धर्म नाश कर देता है और जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी धर्म भी रक्षा करता है। इसलिए धर्म का हनन नहीं करना चाहिए ताकि नष्ट धर्म हमें न नष्ट कर दे।

बंगलादेश, पाकिस्तान की बात छोड़िये आज के भारत में ही देखिये जिस भौगोलिक क्षेत्र में हिंदू अल्पसंख्यक हैं उसे अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ रही है जैसे कश्मीर, मणिपुर, केरल, बंगाल, आदि राज्यों में। -- डा. पिटू मुंह बनाये।

याद है न!! 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में



भारतीय सेना की मुस्लिम बटालियन, हथियारों के साथ पाकिस्तान के पक्ष में चली गई थी और भारत के ही विरुद्ध लड़ी थी। आपलोगों ने कभी मुस्लिम नेताओं को या कांग्रेस के विपक्षी दल के नेता, राहुल गांधी को "भारत माता की जय" या "वंदेमातरम्" कहते सुना है!! नहीं न! क्यों! क्योंकि उनके लिये ये इस्लाम के विरुद्ध है। तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि भारत में रह रहे मुसलमानों की निगाह में राष्ट्र बड़ा या धर्म!! सबसे देखा है, जहाँ इनका धार्मिक स्वार्थ सधता है वहाँ संविधान की दुहाई देते हैं और जहाँ संविधान या सुप्रीम कोर्ट का फैसला, इनके शरिया कानून के अनुरूप नहीं होता, शरिया की दुहाई देते हुए विरोध करते हैं। तुष्टीकरण की राजनीति, पुनः हमारे देश को विभाजन की ओर ढकेल रहा है, जिसके लिए तथाकथित महात्मा और कांग्रेस ने धर्म पर देश का विभाजन तो करवा दिया

लेकिन पुनः विभाजन का प्लेटफार्म अर्थात् कारण, यथावत रहने दिया। पुनः सनातन सिकुड़े और विभाजन की प्रक्रिया तीव्र हो इसके लिए कांग्रेस ने संविधान का सहारा लिया और मूल संविधान को इस्लामिक संविधान बना डाला। -- मास्टर साहब गंभीर लगे।

जिस तरह भारत में मुसलमानों द्वारा जनसंख्या विस्फोट किया जा रहा है और बंगलादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की देश में भरमार होती जा रही है उससे देश की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। देश में सत्ता की लोलुप राजनीतिक अपेक्षाओं, लचर नागरिकता कानून एवं न्याय व्यवस्था, बहुसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध एवं कट्टरपंथियों के पक्षपाती संवैधानिक नियम, आदि, डेमोग्राफी बदलने में भरपूर मदद ही नहीं कर रहे बल्कि सनातन धर्म पर नाना प्रकार के कुठाराघात भी कर रहे हैं इसके चलते निकट भविष्य में राष्ट्र को महत्व देने वालों का कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। इसके उलट धार्मिक कट्टरवाद बलवती होता जा रहा है जिसके चलते अंततः पुनः राष्ट्र विभाजन आवश्यकता भावी हो जायेगा। -- मैं चुप हो गया।

ठीक कह रहे हैं सरजी! यूरोपीय देश, राष्ट्र पर कट्टरपंथियों के खतरे को समझ चुके हैं इसलिए 17 यूरोपीय देशों ने इन्हें देश से निष्कासित करने का प्रक्रम शुरू कर दिया है। मोदी सरकार आने के बाद राष्ट्र विभाजन की शक्तियाँ कुछ कमजोर पड़ी हैं और अपने धर्म के प्रति सनातनियों में जागृति बढ़ी है। इसे प्रयागराज के महाकुंभ में अभी तक 54 करोड़ से भी अधिक सनातनियों की उपस्थिति सिद्ध करती है लेकिन भारत को पुनः मुगलिया सल्तनत के रूप में विभाजित करने को

तत्पर अस्त्र, "वक्फ बोर्ड" को कुंद करने के मोदी प्रयास के विरुद्ध, विपक्षी दलों के हिंदू सांसदों की जमघट, हिंदू धर्म या सनातन के कमजोर होने का लक्षण सिद्ध करता है। जब राष्ट्रवाद और धर्म दोनों में परस्पर तारतम्यता रहेगी तभी राष्ट्र और देशवासी सुरक्षित रह सकते हैं। कमजोर पड़ता और सिकुड़ता सनातन, भारत के टुकड़े टुकड़े होने का संकेत है, इसमें दो मत नहीं। ईश्वर, सनातन संस्कृति को समृद्ध रखें ताकि देश सुरक्षित रहे। अच्छा अब चला जाय। -- कहकर सुरेंद्र भाई उठ गये और इसके साथ ही बैठकी भी.....!!!!



प्रोफेसर राजेन्द्र पाठक (समाजशास्त्री)

एवबरे बहुत सी हैं इस बेएवबर देश में

जी हाँ! मैं सच कह रहा हूँ। इस बेखबर देश में खबरें तो बहुत सी हैं लेकिन आपके मतलब की कोई खबर नहीं है। आपके मतलब की खबर इसलिए नहीं बनती क्योंकि किसी को आपसे कोई मतलब नहीं है, आप तो केवल कुम्भ स्नान कीजिये, अपने पाप धोइये और मोक्ष की कामना कीजिये। आपके लिए एहि श्रेयस्कर है। आपको क्या लेना सियासत से? आपको क्या लेना भारतीयों के मान-अपमान से? व्यवस्था से?



पिछले 9 दिनों से वहाँ डेरा डेल हुए हैं। बंगाल की सत्ताहासिल करना संघ और भाजपा का बहुत पुराना सपना है। ये सपना बार-बार टूट जाता है। आजादी के बाद से बंगाल में बंगाल कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और तृणमूल कांग्रेस की सत्ता बन गयी लेकिन भाजपा की सत्ता नहीं बनी। भाजपा अब 45 वे साल में प्रवेश कर चुकी है लेकिन बंगाल की सत्ता से मीलों दूर है। तीसरी खबर है राजद के पुराने और बूढ़ा चुके सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की। लालू जी ने 144 साल वाले महाकुम्भ को फालतू बताकर रार पैदा कर दी है। अब देश भर के भाजपा नेता उनके ऊपर चट्टी गोंट रहे हैं। बुनिया जानती है कि लालू जी पक्के हिन्दू ही नहीं, पक्के सेक्युलर भी हैं। वे जो कहते हैं रौ में आकर कहते हैं। उनके लिए कुम्भ फालतू ही होगा क्योंकि प्रयागराज और नयी दिल्ली स्टेशन पर हुई भगदड़ में सबसे ज्यादा लोग उनके अपने बिहार के

मेरे हैं। चौथी खबर राशिफल की है, जो कभी सच नहीं होती। पांचवीं खबर है कांग्रेस के अमरीकी नेता सेम पित्रोदा और राहुल गांधी की। सेम अंकल ने बैठे-बैठाये कह दिया कि - चीन भारत का दुश्मन तो नहीं है। इधर सेम अंकल ने चीन की हिमायत की और उधर संयोग से लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चीन में बना झेन उड़ा दिया। बस भाजपा आग बबूला हो गई। भाजपा के लिए वैसे भी राहुल गांधी एक भूत जैसे हैं और सेम अंकल राहुल गांधी की कांग्रेस के महाभूत। सब राशन - पानी लेकर सेम और राहुल पर हमलावर है। अब कोई ये बताते को राजी नहीं है कि चीनी राष्ट्रपति जो शिन पिंग को साबरमती के तट पर झूला झूलाने वाले को क्या कहा जाये? चीन का दुश्मन या दोस्त? पिछले दस साल फालतू ही होगा क्योंकि प्रयागराज और नयी दिल्ली स्टेशन पर हुई भगदड़ में सबसे ज्यादा लोग उनके अपने बिहार के

जनता का इस खबर से कोई लेना-देना नहीं है। खबर है की अमेरिका ने रूस और यूक्रेन के बीच जंग समाप्त करने के लिए विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई लेकिन यूक्रेन को ही नहीं बुलाया। डोनाल्ड ट्रम्प साहब हैं। वे कुछ भी कर सकते हैं। वे सिखों की पगड़ी उतार सकते हैं। उन्हें हथकड़ियाँ लगाकर भारत भेज सकते हैं। वे भारत के अवैध प्र-वसियों को भेजने के लिए अमरीकी फौजी विमान भारत भेज सकते हैं और भारत भी यूक्रेन की तरह उनका विरोध नहीं कर सकता। गरीबी की जोरू जो हो गया है भारत। सातवीं खबर दिल्ली में यमुना की सफाई की है। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के सफाये के बाद यमुना की सफाई की खबर आपको सुकून जरूर दे सकती है, लेकिन दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन होगा? ये खबर अभी तक किसी ने नहीं दी है। है न ये जुर्म? आखिर दिल्ली की जनता ने जब 8 फरवरी को भी

जनादेश दे दिया तो दिल्ली का मुख्यमंत्री चुनने में दस दिन क्यों लगा दिए भाई! इस बीच दिल्ली कॉपी भी चुकी है। दिल्ली वालों को भूकंप के झटके लग चुके हैं। आने वाले दिनों में सियासी भूकंप के झटके भी आते ही रहने वाले हैं। सातवीं खबर प्रयागराज से है। यूपी सरकार के कहने पर रेल मंत्रालय ने आगामी 28 फरवरी तक संगम स्टेशन ही बंद कर दिया है। यूपी की सरकार ने पहले तो देशभर के हिन्दुओं को 'चूल' [सपरिवार] निमंत्रण दे दिया और अब भीड़ देखकर होश उड़ रहे हैं। खबर है कि संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) को बंद करने के लिए डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखा जिसमें मह-कुंभ में श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या में आने के कारण सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवागमन हो सके इसलिए इस रेलवे स्टेशन को बंद करने के लिए कहा गया। दरअसल, इस संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) मेला क्षेत्र के सबसे करीब का रेलवे स्टेशन है। टेशन बंद करने से भारतीय रेल को कितना नुकसान होगा ये कोई नहीं बताना चाहता। खबरें तो और भी हैं लेकिन आपके मतलब की नहीं हैं इसलिए खबरों का खुलासा बंद करना ही उचित लगता है। आपके मतलब की खबरें जब बनती हैं तब मैं आपको उसने रूबरू करता ही हूँ। मैंने चाहे कोविडकाल हो या अमृतकाल अपना काम एक दिन के लिए भी बंद नहीं किया। क्योंकि मैं बिना शौली का फकीर हूँ। जो दे उसका भला और जो न दे उसका भी भला।

@ राकेश अचल

माता शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त...!

आदिवासी समाज की आराध्य माता भक्त, शिरोमणि माँ शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त। भीलनी परम तपस्विनी का एक ही ध्येय, अछूत कहते ऋषि-मुनि दूरी रखते जाय। ऋषि मतंग ये कह गए आएंगे प्रभु श्रीराम, तुम्हें संसार से मुक्त कर लगाएंगे विराम।

आदिवासी समाज की आराध्य माता भक्त, शिरोमणि माँ शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त। सामाजिक समरसता की प्रतीक हुई प्रतीत, तपस्या हुई फलित कुटिया में मन ललित। भगवान की भक्ति में सदा ही रहती लीन, प्रतिक्षा करती थी जिसकी आने वाला दिन।

आदिवासी समाज की आराध्य माता भक्त, शिरोमणि माँ शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त। मयार्दा पुरुषोत्तम को हुआ जब वनवास, वन में भटक-भटक भये हुआ था संत्रास। शबरी की कुटिया में हुआ सुखद अहसास, जूटे बेर का मीठा स्वाद भी हुआ है खास। शबरी माता की जयंती रामायण आभास।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

चोटी वाले मियां साहब का उर्स कल से होगा शुरु

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
बदायूं। शहर के मोहल्ला वैदों टोला चक्कर सड़क स्थित हजरत शाह नसीरउद्दीन हुसैन, हसनी हुसैनी, रहमतुल्लाह अलैह, चोटी वाले मियां साहब का उर्स कल गुरुवार से शुरू होगा। 24 फरवरी दिन सोमवार शाम बाद



नमाज अन्न मोहल्ला फरशोरी टोला में शाहिद हुसैन, साजिद हुसैन नसीरी के घर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चादर दरगाह जाएगी। 25 फरवरी सुबह कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। उर्स में शहर के अलावा दूर दराज से अकीदतमंद उर्स में शामिल होते हैं। यह जानकारी दरगाह के मुरीद शाहिद हुसैन के पोत्र और साजिद हुसैन नसीरी के पुत्र मोहम्मद अरशाद नसीरी और राशिद हुसैन नसीरी ने दी है।

किसान दिवस का आयोजन 19 फरवरी को होगा

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
बदायूं। उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि विकास भवन सभागार में माह के तृतीय बुधवार 19 फरवरी को पूर्वाह्न 11:00 बजे से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित किया जायेगा, जिसमें जनपद के समस्त सम्बन्धित अधिकारिगण किसानों की समस्याओं के निराकरण हेतु उपस्थित रहेंगे। कृषक अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए किसान दिवस में उपस्थित होकर लाभ उठाएंग।

असमोली ब्लॉक क्षेत्र के गांव इटायला माफी में राज्यपाल के आगमन को लेकर प्रशासनिक तैारियां पूरी ।

दैनिक समाज जागरण। मौ० अली नकवी
असमोली ब्लॉक क्षेत्र के गांव इटायला माफी में स्थित पीएम श्री विद्यालय में राज्यपाल के आगमन को लेकर मंगलवार को डीएम, सीडीओ, एसडीएम समेत अन्य अधिकारी गांव पहुंचे। अधिकारियों ने गांव और विद्यालय का निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हों ग्राम प्रधान और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को राज्यपाल के



दौर के दौरान विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने विद्यालय की इमारत, आस-पास की साफ-सफाई, और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जांच की, ताकि कार्यक्रम के दिन सब कुछ तैयार रहे। राज्यपाल कल्कि धाम के स्थापना दिवस के अवसर पर इटायला माफी के पीएम श्री विद्यालय का दौरा करेंगे। इस मौके पर विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक और स्थानीय लोगों की भी लाभ मिलने की संभावना है।इस आयोजन को लेकर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है, और पूरा गांव इस कार्यक्रम की सफलता के लिए तैयार है। प्रशासन का लक्ष्य है कि राज्यपाल का दौरा सुचारू रूप से हो और गांव में विकास की नई दिशा तय हो।

निपुण चैपियन मेला: छात्रों में कौशल विकास और आत्मविश्वास बढ़ाने की अजूबी पहल

दैनिक समाज जागरण।
मौ० अली नकवी

असमोली, सम्भल: विकास खंड असमोली के प्राथमिक विद्यालय असमोली प्रथम में बेसिक शिक्षा विभाग एवं इन्चाल्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में तथा खंड शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार के मार्गदर्शन में निपुण चैपियन मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य छात्रों की कौशल अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना और उनमें आत्मविश्वास विकसित करना था। इस मेले में विकास खंड के 21 विद्यालयों के शिक्षकों एवं निपुण चैपियनों ने अपनी गतिविधियों के साथ सहभागिता की। उन्होंने अपने हाथ से निर्मित टी.एल.एम., सौर ऊर्जा से जुड़े प्रोजेक्ट्स एवं नवाचार आधारित विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। इन



प्रयोगों ने यह दिखाया कि सीमित संसाधनों में भी नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से शिक्षा को रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है मेले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने मुख्य

लाभों और व्यावहारिकताओं से परिचित कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला में मंत्रालय के अधिकारियों, विक्रेताओं और अन्य हितधारकों ने भागीदारी की। कुल 26 प्रतिभागियों ने सत्र में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, जबकि 20 अन्य प्रतिभागी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। इस प्लेटफॉर्म पर ई-बिल बनाने, जमा करने और इसकी निगरानी करने के तरीके पर व्यापक जानकारी दी गई। सत्र में ई-बिल बनाने के लिए इसकी शुरूआत करने, बिल जमा करने के साथ-साथ

चन्द्रपुरा : प्रधान उप चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियां खाना

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। विकास क्षेत्र बिसौली के गांव चन्द्रपुरा के ग्राम प्रधान की मूल्य होने से रिक्त हुई ग्राम पंचायत चन्द्रपुरा के प्रधान पद पर बुधवार को होने वाले उपचुनाव के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार के नेतृत्व में पोलिंग पार्टियां खाना हुई। मंगलवार को विकासखंड कार्यालय से ग्राम पंचायत चन्द्रपुरा में उपचुनाव कराने के लिए आर.ओ. सुजीत पाल सिंह ने तीन पोलिंग बूथ के लिए मतपत्र, मत पेटिका सहित चुनाव के आवश्यक दस्तावेजों के साथ पोलिंग

लेखपाल एवं ग्राम प्रधान पति की दबंगी को लेकर एसडीएम से की शिकायत ।

किन्सातों द्वारा एसडीएम से जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

दैनिक समाज जागरण/प्रवेश कुमार यादव
विकासखंड पवांसा के ग्राम पवांसा के जंगल में स्थित काशी कुंड के चक्रोड की दूसरी बार पैमाइश होने के बाद मंगलवार की सुबह नौ बजे रोजगार सेवक के साथ मनरेगा मजदूर चक्रोड पर कार्य करने पहुंचने पर ग्रामीणों के विरोध के बाद मनरेगा मजदूर और रोजगार सेवक बिना कार्य के ही दूसरी बार वापस लौटकर अपने घरों को चले गए। मंगलवार को ग्राम प्रधान धर्मावती के पति एव लेखपाल के द्वारा दबंगई के बल पर सांठ-गांठ कर ग्रामीणों की पकी हुई फसल को बर्बाद करने के मामले में एसडीएम को शिकायती पत्र देकर मामले की निरपक्ष जांच की मांग की है। जबकि सोमवार की देर शाम तक राजस्व विभाग की टीम ने काशी कुंड के रास्ते पर चक्रोड की पैमाइश कर ग्रामीणों की मौजूदगी में चिन्हांकित किया गया था। गांव पवांसा निवासी जयदीप राघव ने एसडीएम को दिए गए शिकायती पत्र में बताया है कि काशी कुंड गाटा संख्या 338 में स्थित है। वहां जाने के लिए गाटा संख्या 485 का चक्रोड बहुत ही नजदीक है। 485 गाटा संख्या पर पूर्व प्रधान राजबाला के पति का चक है जिस कारण मौजूदा प्रधान पति, लेखपाल , कानून्गो एवं पूर्व प्रधान पति हम साज होकर दूसरी चक्रोड जाकि गाटा संख्या 458 पर है खोलने को आमदा है। ग्रामीणों को कहना है सभी चक्रोड खोले जाएं उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि चक्रोड की पैमाइश से पहले ग्राम प्रधान के द्वारा

धुरैटा में वाल्मीकि समाज ने शमशान घाट की मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की सिकायत

दैनिक समाज जागरण/प्रवेश कुमार यादव

विकासखंड पवांसा क्षेत्र के गांव धुरैटा में वाल्मीकि समाज के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट गांव में नहीं होने को लेकर वाल्मीकि समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर मंगलवार को शिकायती पत्र भेज कर कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर गांव पवांसा के वाल्मीकि समाज के शमशान घाट में मौके पर तालाब की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में अगर वाल्मीकि समाज में किसी की मौत हो जाए तो अंतिम संस्कार कैसे हो पाएगा। वाल्मीकि समाज में अगर दुर्भाग्यवस अगर कोई मौत हो जाए तो अंतिम संस्कार करने के लिए गांव में शमशान घाट भी नहीं है। बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पूर्व में चक्रबंदी भीम के दौरान अधिकारियों से शिकायत कर शमशान घाट की भूमि विन्हित करने की मांग की गई थी मगर गांव में चक्रबंदी निरस्त होने से शमशान घाट की भूमि भी नहीं मिल सकी। गांव धुरैटा निवासी मुकेश वाल्मीकि ने बताया कि गांव में वाल्मीकि समाज के करीब बीस परिवार है। जिसमें कुछ परिवार अन्य राज्य में और



पार्टिया खाना की। सभी पोलिंग पार्टियों पोलिंग सेंटर पर पहुंच गई है। जो बुधवार को मतदान संपन्न करा कर मत पेटिका ब्लॉक मुख्यालय पर जमा करेगी। इस दौरान पुलिस

इंस्पेक्टर विशाल प्रताप सिंह, एआरओ सुनील कुमार, एआरओ संदीप श्रीवास्तव रिजर्व पार्टी के पीठासीन अधिकारी राम अवतार उपस्थित रहे।

ना कोई कार्य योजना बनाई गई न ही ग्राम पंचायत समिति के द्वारा कोई प्रस्ताव पास किया गया है। और न ही ब्लॉक से कोई मस्टरोल पास हुआ है। सोमवार की की पैमाइश में लेखपाल, ग्राम प्रधान पति और कानून्गो की मिली भगत से ग्रामीण के एक ही खेत में चक्रोड बना रहे हैं |जो कि गलत है। ग्रामीणों की गेहूँ, पीली सरसों और आलू की पकी हुई फसल को ग्राम प्रधान पति और लेखपाल दबंगई करते हुए खेत में खड़ी फसल को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे है।लेखपाल से सही तरीके से पैमाइश करने को कई बार कहा गया। मगर लेखपाल अपनी दबंगई में ग्रामीणों की कोई बात सुनने को तैयार नहीं है।जबकि पूर्व प्रधान पति के निजी नलकूप से प्राचीन काशी कुंड को सीधा रास्ता जा रहा है। मगर लेखपाल और वर्तमान प्रधान पति इसी चक्रोड को दबंगई के बल पर कार्य करना चाहतेहैं।जबकि गांव के पूर्व प्रधान ,वर्तमान प्रधान और लेखपाल ,कानून्गो एक राय होकर अनदेखी कर रहे हैं जबकि ग्रामीणों को धमकियों और प्रताड़ित कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि जंगल की सभी चकों की पैमाइश कर सभी चक्रोड़ों को खोला जाए। वहीँ ग्रामीणों का आरोप है वर्तमान ग्राम प्रधान और पूर्व प्रधान के पूर्व में भी ग्राम समाज की भूमि को लेकर आतंक रहा है। गांव में स्थित तालाब, शमशान घाट, खेल मैदान और सिंचाई विभाग सिर्फ अभिलेखों में दर्ज हैं। मौके पर किसी का कोई पता नहीं है। इन सभी पर अवैध कब्जा बना हुआ है। इसे कब्जा मुक्त कराया जाए। इस दौरान प्रवीण सिंह, जयदीप राघव,विकास राघव, प्रसन्न कुमार, सुमित राघव,योगेंद्र सिंह, राहुल सिंह, अंकुश पाल, आदि मौजूद रहे।

कुछ गांव में रहकर मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं। मगर गांव में वाल्मीकि समाज के किसी परिवार में अगर मौत हो जाए तो अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट भी नहीं है ऐसे में इधर-उधर अंतिम संस्कार करने को मजबूर होते हैं। समाज के लोगों को सबसे बड़ी परेशानी बरसात के मौसम में अगर मौत हो जाए तो अंतिम संस्कार करने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि गांव में चक्रबंदी प्रक्रिया के दौरान समाज के लिए ग्राम समाज की शमशान घाट के लिए भूमि की मांग अधिकारियों से की गई थी मगर गांव की चक्रबंदी प्रक्रिया निरस्त होने से शमशाा घाट के लिए भूमि भी विन्हित नहीं हो सकी। अब मंगलवार को समाज के लोगों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर शमशान घाट की भूमि चिन्हित कर अल्टेष्टि स्थल की निर्माण की मांग की है। जिससे कि समाज के लोगों की शमशान घाट की समस्या का समाधान हो सके। इस दौरान गंगा सरन वाल्मीकि, फूलवती वाल्मीकि, सुमित वाल्मीकि, राकेश वाल्मीकि, इच्छ राम वाल्मीकि, शांति वाल्मीकि, मुकेश वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

सदस्य गौ सेवा आयोग ने ली अधिकारियों की बैठक, किया गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण

गोवंश का स्वास्थ्य कमजोर झिलने पर गौ सेवा आयोग सदस्य ने व्यक्त किया रोष

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूं। मा. सदस्य उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय ने मंगलवार को सर्किट हाउस में गौ सेवा से संबंधित सदस्यों की बैठक ली। विकास भवन सभागार में समस्त खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायत एवं पशु पालन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली तथा अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल खेड़ा जुजुर्ग का निरीक्षण के दौरान कुछ गोवंश का स्वास्थ्य कमजोर मिलने पर रोष व्यक्त किया। मा. सदस्य उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय ने सर्किट हाउस में गौ सेवा से संबंधित सदस्यों के साथ आहुत बैठक की अध्यक्षता करते हुए गौ सेवा के संबंध में अधिकारी दी। उन्होंने किसानों से आवहान करते



हुए कहा कि गौसेवा प्रभु सेवा के समान है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में किसान सहभागिता योजना अंतर्गत निराश्रित गोवंश को लेकर उसकी सेवा करें। लाभार्थी के घर पर गोबर गैस का प्लांट बनवाया जाए जिससे वह गोबर का सदुपयोग गोबर गैस बनाने में कर सकें। मा. सदस्य उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय ने विकास भवन सभागार में समस्त खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायत एवं उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी व पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ आहुत बैठक में गोवंश सहभागिता व गोबर गैस प्लांट

की महत्वता पर प्रकाश डाला। उन्होंने गोबर, गोमूत्र की उपयोगिता के संबंध में जानकारी भी दी। मा. सदस्य उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय ने अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल खिसमें जुजुर्ग का निरीक्षण किया, जिसमें 47 गोवंश पाए गए। गोवंश को खाने के लिए हरा चारा रखा हुआ पाया गया। कुछ गोवंश का स्वास्थ्य कमजोर था जिस पर मा. सदस्य द्वारा रोष व्यक्त किया गया एवं ठीक ढंग से भरण पोषण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. समदर्शी सरोज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्राचीन चामुंडा माता मंदिर के नजदीक में स्थित नूरी मस्जिद पर बिना परमिशन के निर्माण कार्य को लेकर हिंदू समाज ने पुलिस प्रशासन से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की

दैनिक समाज जागरण/प्रवेश कुमार यादव

विकासखंड पवांसा के हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव धुरैटा में स्थित प्राचीन चामुंडा माता मंदिर के नजदीक में स्थित नूरी मस्जिद पर बिना परमिशन के निर्माण कार्य को लेकर हिंदू समाज के लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले को शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। बिना परमिशन के मस्जिद पर कार्य करने को लेकर हिंदू समाज के लोगों में रोष है। हिंदू समाज के लोगों का कहना है कि गांव में स्थित दोनों धर्म स्थलों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा बिना परमिशन और बिना प्रशासन को सूचना दिए ही नूरी मस्जिद के मुख्य की चार दिवारी पर



टाईल्स लगाई जा रही है। जिसकी सूचना मिलने के बाद तत्काल थाना पुलिस और एएसपी को तत्काल फोन के द्वारा सूचना दी दी गई थी। इसके बाद भी थाना पुलिस के द्वारा अभी तक मामले में कोई जांच पड़ताल और कार्रवाई नहीं की गई है। जिसको लेकर हिंदू समाज के लोगों

का रोष है। मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा नया निर्माण कार्य किए जाने से गांव का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। हिंदू समाज का कहना है प्रशासन को श्रेष्ठ कार्य रूकवा कर सर्व समाज की संहति से ही कोई कार्य किया जाए ताकि कोई कानून व्यवस्था भंग ना हो

एफ.आर. इंटर कॉलेज चंदौसी में छात्र-छात्राओं की फेयट्वेल पार्टी का हुआ आयोजन

दैनिक समाज जागरण

चंदौसी। एफ.आर. इंटर कॉलेज, चंदौसी में छात्र-छात्राओं की फेयट्वेल पार्टी " उमंग" विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा 11 के छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा 12 के छात्रों -छात्रों को समारोह पूर्वक विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया! इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12 के छात्र अब्दुल्ला , कक्षा 11 की छात्रा लाइवाआजाद एवं अध्यापक एजाज अहमद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया छात्र-छात्राओं ने गीत, संगीत एवम् नृत्य प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया । इस मौके पर बोलेते हुए प्रधानाचार्य वसोम उद्दीन ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाचन देते हुए कहा कि छात्र जीवन एक अनमोल जीवन है जिसमें छात्रों को सीखने के अवसर प्राप्त होते हैं ,प्रतिभाओं को निखारने का सभी को मौका मिलता है । कक्षा 12 की परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे सभी परीक्षार्थियों को अच्छे से परीक्षा देने के लिए प्रेरित करते हुए सफलता की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति



के अशफाक भारती एडवोकेट ने करते हुए छात्रों को कहा कि विद्यार्थी मेहनत और लगन से परीक्षा में सम्मिलित हो और अपनी प्रतिभाओं को निखारने में अपने गुरु जनों का सहयोग ले । कार्यक्रम में हाजी अब्दुल जाहिद, हाजी वाहिद हुसैन, हाजी शफीक मियां, मोहम्मद नाजिर ,मोहम्मद यामीन, सलमान अहमद, मोहम्मद हनीफ, मोहम्मद माज, इकबाल अहमद, कु.खुशबू, राशि

त्यागी, भावना गुप्ता, विमल, अब्दुल शारिक ,जुवेर आलम ,वाजिद अली, रोशन सलीम, शफीक अहमद,सय्यद अली आसिम, अकील अहमद, रिजवान अहमद खान, मोहम्मद गौस, हुमायूं शमशी, शाजिया खामम, नहींद जनाल, कमरुद्दीन, जफरुद्दीन, निशाद अहमद, जावेद आलम, नाजिर हुसैन, मोहम्मद फैसल एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ कार्यक्रम में सक्रिय रूप से उपस्थित रहा।

भारत-कतर की भावी साझेदारी स्थिरता, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और ऊर्जा के आधार पर बनी रहेगी: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल

भारत आज स्थिरता, विश्वसनीयता और निरंतरता का सर्वाधिक अनुकूल स्थल है: श्री पीयूष गोयल कतर व्यवसायी संघ (क्यूबीए) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए इन्वेस्ट कतर और इन्वेस्ट इंडिया के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-कतर की भावी साझेदारी का आधार स्थिरता, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता तथा ऊर्जा है। श्री पीयूष गोयल ने आज नई दिल्ली में भारत-कतर व्यापार मंच के उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कतरे के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री महाहिम शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी इस सत्र के मुख्य अतिथि थे। श्री गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी विश्वास, व्यापार और परंपरा की बुनियाद पर टिकी है। मंत्री महोदय ने कहा कि व्यापार की शर्तें बदल रही हैं, ऊर्जा व्यापार से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर आदि जैसी उभरती हुई तकनीकों की इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा खतरों और दुनिया भर में स्थानीयकरण पर ध्यान केंद्रित करने के संदर्भ में सम्पूर्ण विश्व एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और कतर एक दूसरे के पूरक हैं और समृद्ध तथा बेहतर भविष्य के लिए संयुक्त रूप से कार्य कर सकते

हैं। श्री गोयल ने कहा कि दोनों देश मिलकर व्यापार, निवेश के मामले में बदलाव के लिए तैयार हैं और उन्होंने कतर व्यवसायी संघ (क्यूबीए) तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के बीच हस्ताक्षरित दो समझौता ज्ञापनों तथा इन्वेस्ट कतर और इन्वेस्ट इंडिया के बीच हस्ताक्षरित एक अन्य समझौता ज्ञापन का भी उल्लेख किया।

मंत्री महोदय ने व्यापार और वाणिज्य पर संयुक्त कार्य समूह को मंत्री स्तर पर उन्नत करने की भी घोषणा की। श्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि आज चाहे बड़े देश हों वा वैश्विक मंच, भारत के प्रति विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत है। उन्होंने व्यापार जगत प्रमुखों से उसी भावना और आत्मविश्वास के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत एक जीवंत अर्थव्यवस्था, युवा आबादी के साथ एक समृद्ध जनसांख्यिकी, व्यापार के हर क्षेत्र में सुधार के अलावा कारोबार में सुगमता पर ध्यात केंद्रित करने और अपने औद्योगिक विकास केंद्रों में गुणवत्ता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्थिरता, विश्वसनीयता और निरंतरता का सर्वाधिक अनुकूल स्थल है। श्री गोयल ने कतर की कंपनियों को निवेश, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरों के विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास में भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित किया।

दुध्री में है रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं

- पलायन पर रोक के लिए नौजवानों को अनुदान दे सरकार - रोजगार अधिकार अभियान के तहत रासपहरी में हुई गोष्ठी

ब्यूरो चीफ सोनभद्र। दैनिक समाज जागरण प्यारपुर/ सोनभद्र। आदिवासी बाहुल्य दुध्री तहसील में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के कारण रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। बशर्ते सरकार इस क्षेत्र के विकास पर ध्यान दे। आज हालात यह है कि दुध्री मजदूरों के पलायन का बड़ा केंद्र बन गया है। गांव में आमतौर पर 90 फीसदी नौजवान बाहर काम पर जाने के लिए मजबूर हैं। हालात इतनी बुरी है कि तमाम गांव में लड़कियां भी काम की तलाश में बाहर जा रही हैं। यहां कनहर सिंचाई परियोजना में नहरें बनाकर खेतों को पानी दिया जाए। तो बड़े पैमाने पर सब्जी से लेकर अन्य फसलों का उत्पादन होगा और खेती समृद्ध हो जाएगी। इतना ही नहीं इस क्षेत्र से पूंजी का भी बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सोनभद्र जनपद के लोगों की बैंकों में जमा 69 प्रतिशत पूंजी दूसरे प्रदेशों में पलायन कर जा रही है और यदि दुध्री की बात की जाए तो यह और भी बड़े पैमाने पर हो रहा है। ऐसी स्थिति में पलायन रोकने के लिए सरकार यहां की पूंजी से नौजवानों को



कम से कम 10 लाख रुपए का अनुदान प्रदान करें। जिससे नौजवान नए उद्योग को शुरू कर सकें। यह बातें आज रासपहरी में रोजगार अधिकार अभियान के तहत आयोजित गोष्ठी में उठीं।

गोष्ठी में मौजूद किसानों ने कहा कि यदि कनहर सिंचाई परियोजना में नहरें बनाकर खेतों को पानी दिया जाए। तो बड़े पैमाने पर सब्जी से लेकर अन्य फसलों का उत्पादन होगा और खेती समृद्ध हो जाएगी। यहां अरहर व उड़द की दाल, हल्दी, लहसुन, आलू, अदरक, टमाटर और मिर्च जैसे सब्जियों के उत्पादन पर जोर दिया जाए और इनके संरक्षण के लिए सरकारी कोल्ड स्टोरेज और चटनी के उद्योग स्थापित किए जाएं तो न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। किसानों का यह भी कहना था

कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मधुमक्खी पालन के जरिए से शहद भी पैदा किया जा सकता है जिस पर व्यवस्थित रूप से सरकार को ध्यान देना चाहिए।

गोष्ठी में नौजवानों ने कहा कि यहां तापीय परियोजनाओं से बड़े पैमाने पर राख निकल रही है। एनजीटी का स्पष्ट आदेश है कि किसी भी तापीय परियोजना के 100 किलोमीटर के दायरे के अंदर इस राख से बनी हुई ईंट का ही निर्माण कार्य में उपयोग किया जाए। ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन को सभी सरकारी कामों में इन ईंटों के ही उपयोग का निर्देश देना चाहिए। इस एशे ईंट के उद्योग को लगाने के लिए सरकार को नौजवानों को मदद देनी चाहिए। गोष्ठी में कहा गया कि सरकारी आईटीआई और पॉलिटेक्निक के जरिए बड़े पैमाने पर कौशल विकास का काम भी होना चाहिए। ताकि सार्थक रोजगार के लिए सक्षम नौजवानों को तैयार किया जा सके। बैठक में मौजूद महिलाओं ने बताया कि यहां बड़े पैमाने पर प्राइवेट माइक्रोफाइनेंस कंपनियों का काम कर रही हैं। जो 17 से लेकर 30 परसेंट तक प्रतिवर्ष ब्याज लोगों से वसूल रही है। यहां तक कि सरकारी महिला स्वयं सहायता समूह

में भी 12 फीसदी वार्षिक ब्याज दर है। जबकि बैंकों से लोन लेने पर कम ही ब्याज दर है। मांग की गई कि महिला स्वयं सहायता समूह को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार अनुदान दे। दोना पत्तल, साबुन, अगरबत्ती, महुआ, अलसी और तिल के लड्डू, अदरक की बर्फी जैसे तमाम छोटे-मोटे उद्योगों को बढ़ावा देकर और उनके उत्पादन को खरीद कर सरकार द्वारा गारंटी सुनिश्चित करके इस इलाके में समृद्धि लाई जा सकती है। गोष्ठी में रोजगार अधिकार अभियान की संचालन समिति और सलाहकार समिति के विस्तार के लिए छात्रों, नौजवानों समेत समाज सरोकारी नागरिकों से संवाद करने का भी निर्णय हुआ।

गोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर मौजूद रहे जिन्होंने विस्तार से बातचीत को रखा। गोष्ठी की अध्यक्षता मजदूर किसान मंच के अध्यक्ष जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड ने की और संचालन युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड ने किया। गोष्ठी को एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका, मजदूर किसान मंच के तहसील संयोजक रामचंद्र पटेल, एआईपीएफ जिला प्रवक्ता मंगर प्रसाद श्याम, जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, युवा मंच की जिला अध्यक्ष रूबी सिंह गोंड, मनोहर गोंड, सुवर्गती गोंड, रामविचार गोंड, महावीर गोंड आदि ने संबोधित किया।

राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज दुध्री की बालिकाओं ने जीता 15 गोल्ड मेडल

ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र (दुध्री) - 30 प्रो

माध्यमिक शिक्षा अभियान लखनऊ के तत्वाधान में सोनभद्र में रानी

लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण 3

महीने कार्यक्रम राजकीय बालिका

इण्टर कॉलेज दुध्री का समापन किया

गया। प्रधानाचार्या डॉ. रीतिका

श्रीवास्तव और नोडल शिक्षक डॉ.

प्रीति शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण

शिविर में छात्राओं को स्वयं की

सुरक्षा के बारे में बताया गया। जिसमें

आत्मरक्षा के लिए ताईक्वांडो एन

आईएस कोच रवि सिंह द्वारा शिविरों

में छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर

सिखाए गए इन शिविरों में

प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा के

साथ-साथ बाल अधिकार, बाल

सुरक्षा, गुट टच-बैड टच,

किशोरावस्था में लक्षण विकास,

साइबर काइम के बारे में भी

जानकारी दी गई मार्शल आर्ट, पंचेस

ब्लॉकिंग, हैंड मुवमेंट, किक गले

का लुड़ना, हाथ का लुड़ना, बाल

का लुड़ना, कन्धे का लुड़ना आदि

सुरक्षा के दौंव-पंच बताये गये कि

हम सड़क पर अगर कोई छेड़ता है

तो उनको कैसे जवाब देना है और

अपनी सुरक्षा कैसे करनी है आदि

के उपयोग गुर सिखाए गए। राजकीय

बालिका इण्टर कॉलेज दुध्री कक्षा 9

से 12 तक की बालिकाओं ने

लगभग 1450 बालिकाओं प्रशिक्षण

लिया जिसमें एन आई एस कोच रवि

सिंह द्वारा गोल्ड मेडल 15



बालिकाओं को आज के प्रभारी प्रधानाचार्या शोभा यादव द्वारा मेडल पहनाया गया रिया गुप्ता, शमा खान, पंकी कुमारी, पूजा गुप्ता, अनु यादव, आशु कुमारी, सपना कुमारी, सुमन कुमारी, सोनी सिंह, जोया खान, शाहीन, आर्ति चौबे, राधा कुमारी, अंजली, आकांशा कुमारी को गोल्ड मेडल साथ सम्मानित किए गए। विद्यालय कुसुम सिंह, वर्षा, अर्चना, गीता, मनीष कुमार, राना तिवारी, मंजुलता, जितेंद्र तिवारी आदि लोग भी उपस्थित रहे।

त्रिवेणी एक्सप्रेस में लगी आग, यात्रियों में मची भगदड़।

ब्यूरो चीफ सोनभद्र। दैनिक समाज जागरण करमा/ सोनभद्र। प्रयागराज से आ रही त्रिवेणी एक्सप्रेस में लगी आग, यात्रियों में मची भगदड़। ड्राईवर् के सुझबुझ से अनहोनी होते होते बची। प्राप्त जानकारी अनुसार स्थानीय थाना अंतर्गत मंगलवार को दोपहर डिल्लीही



के समीप त्रिवेणी एक्सप्रेस में लगी आग ड्राईवर् के सुझ बुझ से सही समय पर आग पर काबू पा लिया गया सभी यात्रीगण सुरक्षित हैं। आग से यात्रियों में भगदड़ मच गई। यात्री ट्रेन छोड़ कर बस पकड़ने के लिए मुख्य मार्ग मिजापुर सोनभद्र पर आकर सवारि गाड़ी में बैठ कर अपने गंतव्य तक गए। यात्रियों की मांने तो इस ट्रेन में आग दो बार लग चुकी, पहले लुसा के करीब लगा है फिर यहां भी लग गई है कोई नुकसान नहीं हुआ है सभी लोग ट्रेन से उतर गए थ कुछ लोग बस से चले गए आग किस कारण लगी पता नहीं चल पाया। आग किस कारण से लगी कोई बताने को तैयार नहीं था। इस सम्बन्ध में सेल फोन पर बातचीत खेराही स्टेशन मास्टर बी पी सिंह ने कहा कि ट्रेन के चक्के में ब्रेक लग गए थे जिसके कारण धुएँ उठने लगे थे। किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ट्रेन चोपन के लिए रवाना हो गई।

बोर्ड परीक्षा को सकुशल व पारदर्शिता पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सम्बन्धित को दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

सदर संवाददाता अलताफ कादरी।

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने आज स्वामी हरसेवा नन्द सीनियर सेकेंडरी स्कूल चुर्क में माध्यमिक शिक्षा परियंत्र द्वारा हाई स्कूल व इण्टरमीडिएट वर्ष-2025 के परीक्षा को पारदर्शिता व सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, वाइब केन्द्र व्यवस्थापक व परीक्षा सहायकों के साथ बैठक की गयी। बैठक में परीक्षा व्यवस्था, प्रश्न-पत्र, उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था, परीक्षा व्यवस्था से जुड़े केन्द्र व्यवस्थापकों को परीक्षा को बेहतर व सकुशल सम्पन्न कराने के लिए निर्देश दिये गये। इस मौके पर जिलाधिकारी ने यूपी0 बोर्ड परीक्षा से जुड़े अधिकारी व कार्मिकगण से अपील करते हुए कहा कि जनपद में नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराया जाये। सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को दायित्वबोध कराते हुए कहा कि वे अपने-अपने निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के लिए बखूबी जिम्मेदारी निभाते हुए हर हाल में नकल विहीन परीक्षा कराये। जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थाओं के साथ परी सतर्कता के साथ परीक्षा को नकल विहीन कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी हाल में प्रश्न-पत्र लीक न होने पायें, इसलिए 00सी0टी0वी0 की रिकार्डिंग शत-प्रतिशत सुरक्षित रखी जाये। उन्होंने कहा कि पूर्व वर्षों में जो परीक्षाएं होती थी वो लगभग महीने तक चलती थी, अब 24 फरवरी, 2025 से शुरू



होकर 12 मार्च, 2025 को समाप्त होगी यानी 12 दिनों में परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी कराने में अहम जिम्मेदारी सौंपी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रश्न-पत्र वितरण के समय विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि जिस पाली में जो विषय है, उसी प्रश्न पत्र का सावधानी पूर्वक वितरण किया जाये, यह सुनिश्चित करना सम्बन्धित का परम दायित्व है। परीक्षा केन्द्र के आस-पास फोटो स्टेट की दुकान, लोगों का भीड़-भाड़ न हो। जनपद स्तर पर स्ट्रॉग रूम की व्यवस्था कर ली गयी है, परीक्षार्थियों को स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या न होने पायें, इसके लिए भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता हेतु मेडिकल की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जा रही है। परीक्षा पर पेयजल उपलब्ध कराने, विद्युत व्यवस्था ठीक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया है। परीक्षा से जुड़े किसी भी

कार्मिकगण को किसी प्रकार की समस्या होने पर एक दूसरे से जानकारी साझा करते हुए कार्य किया जाये, ताकि गलत कार्य न होने पायें, जनपद सोनभद्र में पूर्व वर्षों में जो परीक्षा सम्पन्न हुआ है, वह बेहतर था, इस परीक्षा को भी बेहतर तरीके से सम्पन्न कराया जाये।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस फोर्स की इ्यूटी लगा दी गयी है, इस परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए जो भी अधिनियम जारी किया गया है, इसी के निर्देशानुसार परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराया जाना है। परीक्षा में परीक्षार्थी कानून नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षा को पारदर्शिता को बनाये रखने के लिए सभी प्रभावी कदम उठाना सुनिश्चित किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कुछ लोग नकल जैसे प्रवृत्ति के लिए रास्ते ढूढ़ते रहते हैं, किन्तु जनपद में पुलिस भी सतर्क दृष्टि बनायी रखी है, जिससे गलत करने वाले के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। परीक्षा को लेकर शासन भी गंभीर है, हमें भी बखूबी इ्यूटी की निभाना है। परीक्षा से जुड़े किसी प्रकार की फेकन्यूज को शोसल प्रकाश पर शेयर न किया जाये, अगर किसी प्रकार की समस्या है, तो उच्च स्तर पर अवगत कराये। शोसल मीडिया पर जिस भी व्यक्ति द्वारा गलत अफवाह शोयर की गयी, समाप्ति प्राप्त होने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही

सुनिश्चित की जायेगी।

बोर्ड परीक्षा के तैयारियों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने बताया कि जिले में 24 फरवरी, 2025 से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षा जो 06 मार्च, 2025 तक चलेगी, जिले के 77 विद्यालयों में परीक्षा देने वाले 46 हजार 787 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि हाई स्कूल के परीक्षा में कुल 26 हजार 242 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिसमें 13 हजार 121 छात्र व 13 हजार 121 छात्राएँ हैं। इसी प्रकार से इण्टरमीडिएट के कुल 20 हजार 545 परीक्षार्थी हैं, जिसमें 9 हजार 775 लड़के व 10 हजार 770 लड़कियाँ परीक्षा में शामिल होंगीं। उन्होंने बताया कि जनपद में तहसील स्तर के 04 परीक्षा जेउन में बांट कर उप जिलाधिकारी को 04 जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनाती की जा चुकी है। इसी प्रकार से जनपद में 12 सेक्टर में बाँटकर सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की जा चुकी है और जनपद में 77 परीक्षा केन्द्रों पर प्रधानाचार्य के समकक्ष विभिन्न विभागों से स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती हो चुकी है। इसी प्रकार से जनपद के समस्त 77 परीक्षा केन्द्रों पर जिला विद्यालय निरीक्षक, सोनभद्र द्वारा केन्द्र व्यवस्थापकों व 07 सचल दल की तैनाती हो चुकी है। इस मौके पर उप जिलाधिकारी ओबरा श्री विवेक सिंह, विनय पटेल, सोरभ कुमार, राकेश सिंह, रामपोष सिंह, राजकुमार मौर्य, रामा मौर्य, गुड्डू सिंह, एवम सह संचालक राकेश पाण्डेय जी द्वारा किसानों के सहयोग हेतु हर संभव प्रयास किया जायेगा।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

सदर संवाददाता अलताफ कादरी। दैनिक समाज जागरण मधुपुर/ सोनभद्र। मधुपुर बाजार में स्थित निजी कोचिंग संस्थान एक्सपर्ट हाउसिंग एकेडमी में वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह में छात्रों ने खूब मस्ती की। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ भाजपा नेता उमाशंकर सिंह समाजसेवी नर्वदेश्वर उपाध्याय तथा ईश्वर दयाल सिंह सरस्वती माता के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात संस्थान के छात्रों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। अमन श्रीवास्तव ने तेरी मन्द मन्द मुस्कनिया भजन व सुधीर के रुद्रमंत्रों ने पूरे प्रांगण को भक्तिमय कर दिया तो नन्हे मुन्ने बच्चों ने भी एक से बढ़कर एक नृत्य व गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के कुलसचिव डॉ अमोद कुमार तिवारी ने कार्यक्रम के अंत में बच्चों के कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की और उनके उज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन किया। अन्य अतिथि के रूप में ग्रामप्रधान प्रतिनिधि प्रवीण कुमार सिंह डॉ राकेश डॉ देवेन्द्र श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विगत वर्ष बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान की प्रबन्ध निदेशक शिवांगी द्वारा किया गया अन्य शिक्षक के रूप में सुजाता मैम निधि पांडेय व नवीन उपस्थित रहे।



जन कल्याण ग्रामोद्योग सेवा आश्रम के सहयोग से किशोरी मेला आयोजित

सदर संवाददाता अलताफ कादरी।

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। जन कल्याण ग्रामोद्योग सेवा आश्रम, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन एवं परियोजना 'इगामप्यवर हर' के संयुक्त सहयोग से ब्लॉक नगवा में संचालित कार्यक्रम के अंतर्गत बलियारी में एक भव्य किशोरी मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में परियोजना क्षेत्र की लगभग 100 किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले का उद्घाटन पनिकप खुर्द के प्रधान प्रतिनिधि राजेश कुमार चौरसिया एवं स्वामी विवेकानंद विद्यालय बलियारी के प्रबंधक संतोष कुमार दुबे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।



मेले में वे किशोरियां सम्मिलित हुईं जो किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ चुकी थीं या ड्रॉपआउट हो गई थीं। इन किशोरियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संस्था द्वारा संचालित पांच साप्ताहिक शिक्षण केंद्रों में पढ़ाया जाता है और उन्हें पुनः विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मेले के दौरान किशोरियों ने विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां प्रस्तुत कीं, जिनमें विज्ञान से संबंधित मॉडलों के साथ-साथ कपड़े से बनाए गए डोर

मैट, मेजपोश, इंडिया गेट, गुलदस्ते, थालपोश, सिक की झाड़ू, कुस की डलिया इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, चार्ट पेपर पर क्रांतिकारी महापुरुषों जैसे भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस के चित्र भी बनाए गए, जिन्हें दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत कर उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर परियोजना क्षेत्र के कार्यकर्ता नीलम, पुनम, सुनीता, मुमन, प्रोग्राम मैनेजर कुमर प्रजापति एवं संस्था समन्वयक रोहित विश्वकर्मा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित सभी लोगों ने किशोरियों द्वारा प्रस्तुत कलाकृतियों की सराहना की और इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताया।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में 22 मार्च को राष्ट्रीय स्वंगोष्ठी का आयोजन

सदर संवाददाता अलताफ कादरी।

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र।

राजकीय इंजीनियरिंग

कॉलेज सोनभद्र में 22 मार्च को एक

राष्ट्रीय स्वंगोष्ठी का आयोजन किया

जा रहा है। इस स्वंगोष्ठी का उद्देश्य

विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम अनुसंधान,

विकास, और तकनीकी प्रगति पर

विचार-विमर्श करना है। स्वंगोष्ठी में

देशभर के विभिन्न प्रतिष्ठित विशेषज्ञ,

शोधकर्ता और शिक्षाविद अपनी

महत्वपूर्ण प्रस्तुतियां देंगे।

इस स्वंगोष्ठी में उच्च शिक्षा, विज्ञान

अनुसंधान और उनके समाज में

प्रभावी उपयोग पर विचार किया

जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में

चर्चा की जाएगी।

शिव प्रताप सिंह

दैनिक समाज जागरण

ओबरा सोनभद्र। ए.सी.सी. सीमेंट

वर्क्स सलाईबनवा के प्रोजेक्ट हेड

नीरज त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन

में पनारी पंचायत के ओबरा गाँव में

साप्ताहिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के

अन्तर्गत सामान्य स्वास्थ्य शिविर का

आयोजन किया गया। और कुल

134 लोगों को की जांच कर दवा

का वितरण किया गया।



आर्जीविका, पशुधन विकास, जल संरक्षण, ग्रामीण अवसरचन्ना, कोशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में सतत प्रयासरत है। इस अवसर पर अडानी फाउंडेशन के प्रमेश बालान, डॉक्टर अरुण चावडे, देवेन्द्र

सिंह, सुरेश चन्द यादव, गाँव की आशा, आंगनबाड़ी और गाँव के अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।



श्रम अधिकारी की सल्लिमता से हो रहा श्रमिकों का शोषण

मागढला उमरिया ज़िले का **दैनिक समाज जागरण** उमरिया ---उमरिया जिले में श्रमिकों का शोषण बदस्तूर जारी है, लेकिन श्रमिकों के हितों की रक्षा करने वाले श्रम विभाग पर इस शोषण को लेकर उंगलियाँ उठने लगी है । ऐसा ही संवेदनशील मामले के प्रकाश में आने के बाद प्रतीत होता है कि श्रमिकों के शोषण में श्रमिकों के हितों का संरक्षण करने वाला विभाग खुद ब खुद सल्लिप्त नजर आ रहा है । मामले के संबंध में मिली जानकारी अनुसार रामकुमार पीता भीमसेन साहू निवासी बेलमना पोस्ट ओबरा तहसील विलासपुर थाना चंदिया जो कि जल निगम ठेकेदार बारूनी इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के व्दारा जल निगम का काम कराया जा रहा था इस काम में रामकुमार बगीर चौकीदार 24 घंटे काम करता रहा । जिसे नौ हजार रुपए प्रतिमाह की दर से रखा गया,जिसका भुगतान 45०० चार हजार पांच सौ रूपए की दर से भुगतान किया गया,शेष राशि कार्य पूर्ण होने के पश्चात देने की शर्त रखी गई थी ।वारूनी इन्फाकॉन

5 एकड़ के एकवे में सजेगा माफिया का ताना बना

गरीब नौकर को बना दिया जमीन का बादशाह **दैनिक समाज जागरण**

मोहन सरकार और कलेक्टर के आदेश के बाद भी एक बार फिर भूमाफिया सक्रीय हो रहे हैं, भूमाफिया अब निजी के साथ साथ सरकारी भूमि पर अपना बुल्डोजर चलवा दिया है। उमरिया शहर में भूमाफिया ने एक बार अपनी ताकत दिखाई है और जिला प्रशासन ही नहीं सरकार को भी यह बताने का प्रयास किया है कि तुम डाल डाल तो मैं पात पात यह कहावत जरूर है मगर

निलम्बित आरक्षी नागरिक पुलिस राजन मिश्रा जांचकर्ता क्षेत्राधिकारी टाण्डा के समक्ष उपस्थित हो,

दैनिक समाज जागरण विश्व नाथ त्रिपाठी प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक अम्बेडकरनगर केशव कुमार ने बताया है कि अम्बेडकरनगर जगपद में नियुक्त निलम्बित आरक्षी नागरिक पुलिस (पीएनओ नम्बर 1122 21892) राजन मिश्रा पुत्र त्रिवेणीधर मिश्रा निवासी ग्राम डडवा, पोस्ट माधवगंज थाना कोतवाली प्रतापगढ़ दिनांक 16 जून 2०24 से बिना किसी स्वीकृत अवकाश/ अनुमति के स्वेच्छाचारिता अपनाते हुये लगातार अपने कर्तव्य से अनुपस्थित चल रहे हैं जिसके सम्बन्ध में प्रारम्भिक जांच क्षेत्राधिकारी टाण्डा अम्बेडकरनगर द्वारा समाप्तित की जा रही है। जांचकर्ता अधिकारी द्वारा निलम्बित आरक्षी नागरिक पुलिस को युक्तियुक्त अवसर

प्रयागराज में कुंभ मेले में बढ़ती मौड़ के कारण लगते जाम में कैसे पहुंचेगे यूं पी बोर्ड के परीक्षार्थी ।

दैनिक समाज जागरण विश्वनाथ त्रिपाठी प्रतापगढ़/ प्रयागराज।
यूपी बोर्ड की परीक्षा आगामी २५फरवरी से प्रस्तावित है कक्षा १०और१२के छात्र इस परीक्षा में शामिल होनेवाले हैं। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम पाली जो सवेरे होती है उसमें कक्षा १०के छात्र परीक्षा देते हैं और दूसरी पाली जो दोपहर बाद होती है उसमें कक्षा१२के छात्र शामिल होते हैं। कुंभ मेला के कारण पूरा शहर और प्रत्येक गली जाम से परेशान हैं। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल है। स्थिति यह है कि दूध और फेरी वाले भी अब सड़कों और गलियों में नहीं दिखाई देते।ऐसी स्थिति में जो विद्यालय केंद्र के रूप में भौड़ वाले मुख्यमार्ग पर हैं जो नित्य जाम से जूझ रहे हैं वहां तक परीक्षार्थी कैसे पहुंचे गा। बता दें कि अग्रसेन इंटर कालेज

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत टेक्स २०25 को संबोधित किया

भारत टेक्स दुनिया भर के नीति निमाताओं, सीईओ और उद्योग जगत के नेताओं के लिए व्यवसाय, सहयोग और साझेदारी का एक मजबूत मंच बन रहा है: प्रधानमंत्री भारत टेक्स हमारे पारंपरिक परिधानों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करता है: प्रधानमंत्री पिछले साल भारत ने कपड़ा और परिधान निर्यात में 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी, और वर्तमान में यह दुनिया में कपड़ा और परिधानों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है: प्रधानमंत्री कोई भी क्षेत्र उल्लूकध्ता नहीं हासिल करता है जब उसके पास कुशल कार्यबल हो और कपड़ा उद्योग में कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका है: प्रधानमंत्री प्रौद्योगिकी के युग में हथकरघा कारीगरों की प्रामाणिकता बनाए रखना महत्वपूर्ण है: प्रधानमंत्री दुनिया पर्यावरण और सशक्तिकरण के लिए फैशन की दूरदर्शिता को अपना रही है, और भारत इस संबंध में अग्रणी भूमिका निभा सकता है: प्रधानमंत्री भारत का कपड़ा उद्योग ह्यफास्ट फैशन वेस्ट को अवसर में बदल सकता है, कपड़ा रीसाइक्लिंग और अप-साइक्लिंग में देश के विविध पारंपरिक कौशल का लाभ उठा सकता है: प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत टेक्स 2025 को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी भी देखी। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भारत टेक्स 2०25 में सभी का स्वागत किया और कहा कि आज भारत मंडपम भारत टेक्स के दूसरे संस्करण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमारी विरासत के साथ-साथ विस्तारित भारत की संभावनाओं की झलक भी दिखा रहा है, जो भारत के लिए गर्व का विषय है। श्री मोदी ने कहा, ह्भारत टेक्स अब एक जबरदस्त वैश्विक टेक्सटाइल कार्यक्रम बन गया है। उन्होंने कहा कि इस बार मूल्य श्रृंखला के स्पेक्ट्रम से संबंधित सभी बारह समुदाय इस आयोजन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि एकसेरीज, गारमेंट्स, मशीनरी, केमिकल्स और रंगों की भी प्रदर्शनी लगाई गई थी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत टेक्स दुनिया भर के नीति निमाताओं, सीईओ और उद्योग जगत के नेताओं के लिए

लिमिटेड व्दारा उक्त शेष राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा । पीड़ित रामकुमार ने श्रम अधिकारी उमरिया को लिखित आवेदन पत्र देकर निवेदन किया था कि मैं उक्त ठेकेदार के यहां 2०2० फरवरी से वर्ष 2023 जून तक नियमित रूप से 42 माह काम किया हूं ,जिसका वेतन भुगतान 1,89 ०00.०0 रुपए अभी भी शेष है ,जिसका भुगतान संबंधित ठेकेदार मुझे नहीं किया गया । पीड़ित रामकुमार ने बतलाया कि श्रम अधिकारी के व्दारा मुझे बुलाकर कहा गया कि शेष राशि में से आधी राशि मुझे देना हो तो भुगतान कराया जायेगा ।शर्त पूरी नहीं होने पर पीड़ित को आज भी न्याय के लिए भटक रहा है । जानकार सूत्रों का मानना है कि श्रम विभाग के व्दारा संबंधित ठेकेदार से सांटागोट कर मामले को रफा-दफा कर दिया गया है ।इस प्रकार से देखा जाए तो श्रम अधिकारी ठेकेदारों के कार्यों में सल्लिप्त होकर खुद ब खुद शोषण में सहभागी बनें हुए हैं । अपेक्षा है कि जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी इस और आवश्यक पहल करते हुए पीड़ित को न्याय दिलाने में महती भूमिका निभायेंगे ।

जिला प्रशासन और भूमाफिया के बीच सटीक ही बैट रही है। नई प्लानिंग के साथ नया खेल शुरू हो गया है और प्लान्टिंग के लिए बकायदा खंबे भी खड़े कर दिये गये हैं। यहां अबकी बार एक गरीब

अपने नौकर को बली का बकरा बना दिया गया है, जिसके नाम से आदिवासियों की भूमि आने पौने दाम में खरीद कर उसे करोड़ों में बेचने की तैयारी की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि नौकर के नाम से

प्रदान करते हुये राजन मिश्रा के सेवाभिलेखों में अंकित स्थायी पते पर पत्राचार किया गया है किन्तु राजन मिश्रा उपस्थित नहीं हो रहे हैं। उन्होंने निलम्बित आरक्षी नागरिक पुलिस राजन मिश्रा को एक अन्तिम अवसर प्रदान करते हुये सूचित किया है कि वह ०7 दिवस के अन्दर जांचकर्ता अधिकारी क्षेत्राधिकारी टाण्डा अम्बेडकरनगर के समक्ष उपस्थित होकर प्रचलित जांच कार्यवाही में अपना सहयोग प्रदान करें, निर्धारित समयावधि के उपरान्त अब आगे कोई अवसर प्रदान नहीं किया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि राजन मिश्रा के सम्बन्ध में यदि किसी को कोई जानकारी हो तो उसकी सूचना क्षेत्राधिकारी टाण्डा अम्बेडकरनगर को मय पते सहित देने का कष्ट करें।

,एंग्लो बंगाली ,सी ए वी,केपी,राधारमण,ए नए काटजू ,कर्नल गंज इंटर कालेज तो ऐसे संवेदनशील स्थान पर हैं जहां जाम से बचा ही नहीं जा सकता ऐसी विकट स्थिति में शिक्षा विभाग या जिलाधिकारी आदि की चुप्पी क्या बचा करती है।अभिभावकों के समझ के परे है ।अफसरों का यह कहना कि हम छात्रों को परीक्षा केंद्र पर पहुंचाने की कोशिश करेंगे इसमें संदेह ही नहीं पूर्व रूप से गैर जिम्मेदाराना है । परीक्षा की तिथि का निर्धारण करते समय कुंभ मेले का ध्यान ही नहीं दिया गया और बच्चों को जानबूझ कर आफत में ड़ांकने का प्रयास किया जा रहा है या फिर सरकार को समस्या में डालकर उसकी लोक प्रीयतां पर प्रहार की साजिश का एक हिस्सा है । समय रहते सरकार ने चेती तो परिस्थितियां प्रतिकूल हो सकती है ।

व्यवसाय, सहयोग और साझेदारी का एक मजबूत मंच बन रहा है। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की। श्री मोदी ने कहा, आज भारत टेक्स में 12० से अधिक देश भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि प्रत्येक देशक को 120 से अधिक देशों के सामने प्रदर्शित करने का मौका मिला, जिससे उन्हें स्थानीय से वैश्विक स्तर पर अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि नए बाजारों की तलाश करने वाले उद्यमियों को विभिन्न वैश्विक बाजारों की सांस्कृतिक आवश्यकताओं का अच्छा अनुभव मिल रहा है। कार्यक्रम में आयोजित प्रदर्शनी में अपनी यात्रा को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कई स्टॉल देखे और उद्यमियों से बातचीत की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अनेक प्रतिभागियों ने पिछले साल भारत टेक्स में शामिल होने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बड़े पैमाने पर नए खरीदार पाने और अपने व्यवसाय का विस्तार करने की सूचना दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन कपड़ा क्षेत्र में निवेश, निर्यात और समग्र विकास को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दे रहा है।

श्री मोदी ने बैंकिंग क्षेत्र से कपड़ा क्षेत्र के उद्यमियों की जरूरतों को पूरा करने का आग्रह किया ताकि उनके व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिल सके तथा रोजगार और अवसर पैदा हो सकें। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत टेक्स हमारे पारंपरिक परिधानों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करता है।" उन्होंने कहा कि पूर्व से पशिम, उत्तर से दक्षिण तक, भारत में पारंपरिक परिधानों की एक विस्तृत श्रृंखला है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के परिधानों पर प्रकाश डाला, जैसे लखनवी चिकनकारी, राजस्थान और गुजरात से बांधनी, गुजरात से पटोला, वाराणसी से बनारसी सिल्क, दक्षिण से कांजीवरम सिल्क और जम्मू-कश्मीर से पश्मीना। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हमारे कपड़ा उद्योग की विविधता और विशिष्टता को बढ़ावा देने और इसके विकास को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के

मध्यप्रदेश/ छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नौरोजाबाद आगमन पर क्षेत्रीय जनों की आकांक्षाएं

दैनिक समाज जागरण कोयला और ऊर्जा क्षेत्र के प्रख्यात उमरिया जिले में स्थापित 1३4० मैगावाट का बिजली घर जिसकी छठवीं विस्तार इकाई का सर्वेक्षण दस साल पहले पूरा हो गया है और उसकी पूरी रिपोर्ट मध्य प्रदेश सरकार के समक्ष रखी गई है, यह पावर हाउस उमरिया जिले के बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के जोहिला नदी के पश्चिमी तट पर ग्राम पोंडी के पास बनाए जाने के लिए प्रस्तावना है, जिसकी घोषणा संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट के 5०० मेगावाट के उद्घाटन लोकार्पण के समय देश के तत्कालीन उ्च प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी के द्वारा किया गया था तब मंच से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नई छठवीं विस्तार इकाई को बनाने की घोषणा की गई थी, यहां पर पावर प्लांट स्थापित किए जाने की समस्त भौतिक और इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधा उपलब्ध है जिनमें जोहिला नदी पर बना विशाल बांध, विकसित आवास कॉलोनी, आवागमन के लिए सड़क, नेशनल हाईवे 4३,रेलवे लाइन के अंतर्गत साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे की बिलासपुर कटनी क्षेत्र की रेल लाइन और C1C कोयला क्षेत्र की पचासवीं कोयला खदानों होने के कारण यहां पर बिजली घर स्थापित करने पर काम से कम लागत पर बिजली उत्पादित हो पाएगी वही यहां के हजारों हजार शिक्षित बेरोजगार युवाओं और नारियों आदिवासियों मजदूरों को दशकों तक स्थायी रोजगार मिल सकेगा और इस आदिवासी क्षेत्र का निर्गतर सरकार की मंशा के अनुरूप विकास हो सकेगा।

करोड़ों रुपए की जमीन खरीद कर छोड़ दी गई है और आगे लगातार खरीदी भी जा रही है, वह फिल्म बाहुबली के कटप्पा का किरदार निभा रहा है, जो अपनी वफादारी एक रजिस्ट्री पर केवल दो हजार रुपए ही लेता है और उसे कुछ नहीं मालूम कि वह जमीन किसकी है, कैसी है और कितने में खरीदी जा रही है या बेची जा रही है, इस खेल को लेकर यह कहने में गुरेज नहीं होगा कि 5 एकड़ के रकवे में सजेगा भूमाफिया का ताना बाना।

ऐसे रचा षड्यंत्र

भूमाफिया के जेहन में रमपुरी स्थित एक जमीन जैसे ही खटकी वह उसे अपने नौकर के नाम से खरीद ली

निर्दलीय का प्रचार करने वाले जयचंदों की चर्चा जोरों पर

दैनिक समाज जागरण बिलासपुर। गौरैला मरवाही पेंड्रा जिले के अंतर्गत नगर पालिका परिषद गौरैला में मतगणना संपन्न हो गई और परिणाम भी आ गया परिणाम आने के बाद अब देश के प्रमुख राजनीतिक दल के जयचंदों की चर्चा भी शुरू हो चुकी है और ऐसे जयचंद जिन्होंने अंदरूनी तौर पर निर्दलीय प्रत्याशी का प्रचार किया और मेहनत भी किया। हालांकि ऐसे जयचंदों को सफलता नहीं मिली। चर्चाओं के मुताबिक गौरैला नगर पालिका परिषद के अंतर्गत निवासरत जिन जयचंद्रने ने प्रमुख राजनीतिक दल के प्रत्याशी का विरोध किया वे पूर्व में प्रमुख राजनीतिक दल से ही टिकट मांग रहे थे और टिकट नहीं मिलने के कारण उन्होंने पार्टी से गद्दारी दिखाई। पड़ोसी प्रदेश में रहकर अपना व्यापार चलाने वाले ऐसे जयचंद पूर्व में जिला स्तर के पदाधिकारी भी रह चुके हैं।

तारकेश्वर एवं सचिन प्रबंध समिति के सदस्य मनोनीत

दैनिक समाज जागरण उमरिया प्रचार जानकारी के अनुसार तारकेश्वर तिवारी एवं सचिन मिश्रा निवासी मैहर को राज्य शासन द्वारा मां शारदा शक्तिपीठ मैहर की प्रशासकीय प्रबंध समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। तारकेश्वर एवं सचिन मिश्रा के प्रबंध समिति का सदस्य बनने पर समाजसेवी दिव्य प्रकाश गौतम ने बधाई प्रेषित किए हैं।

भारत की राष्ट्रपति ने नए प्रारूप में गार्ड परिवर्तित समारोह देखा

आम जनता 22 फरवरी से समारोह देख सकेगी भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज सुबह (16 फरवरी, 2०25) राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में नए प्रारूप में चेंज ऑफ गार्ड समारोह के उद्घाटन समारोह को देखा। यह समारोह अगले शनिवार यानी 22 फरवरी, 2025 से बड़ी संख्या में आंगतुकों के लिए खुला रहेगा

आयोजनों का यह सही समय है। पिछले साल उन्होंने कपड़ा उद्योग के लिए पाँच कारकों पर चर्चा की थी: खेत, फाइबर, कपड़ा, फैशन और विदेशी, इस पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह विजन भारत के लिए एक मिशन बन रहा है, जो किसानों, बुनकरों, डिजाइनरों और व्यापारियों के लिए विकास के नए रास्ते खोल रहा है। उन्होंने बताया, "पिछले साल भारत ने कपड़ा और परिधान निर्यात में 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी, और अब यह दुनिया में कपड़ा और परिधानों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है।" उन्होंने कहा कि भारत का कपड़ा निर्यात २3 लाख करोड़ तक पहुँच गया है, जिसे 2030 तक ९९ लाख करोड़ तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इस बात पर जोर देते हुए कि कपड़ा क्षेत्र में सफलता एक दशक के लगातार प्रयासों और नीतियों का परिणाम है, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में कपड़ा क्षेत्र में विदेशी निवेश लग्ना हो गया है। उन्होंने कहा, "कपड़ा उद्योग देश में रोजगार के सबसे बड़े अवसरों में से एक है, जो भारत के विनिर्माण क्षेत्र में 11 प्रतिशत का योगदान देता है।" उन्होंने इस बजट में घोषित मिशन मैनुफैक्चरिंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में निवेश और विकास से करोड़ों कपड़ा श्रमिकों को लाभ मिल रहा है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि चुनौतियों का समाधान करना और भारत के कपड़ा क्षेत्र की क्षमता को साकार करना उनकी प्रतिबद्धता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले दशक के प्रयास और नीतियां इस वर्ष के बजट में परिलक्षित होती हैं। उन्होंने कहा कि एक विश्वसनीय कपास आपूर्ति सुनिश्चित करने और भारतीय कपास को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने और मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए, कपास उत्पादकता मिशन की घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीकी वस्त्र जैसे उभरते उद्योगों और स्वदेशी कार्बन फाइबर और इसके उत्पादों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने टिप्पणी की कि भारत उच्च श्रेणी के कार्बन फाइबर के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

वन परिक्षेत्र कार्यालय मानपुर में हाथी मित्र(बांधव वीर)वनअग्नि नियंत्रण सह जागरूकता प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

दैनिक समाज जागरण उमरिया ।वन परिक्षेत्र कार्यालय मानपुर में मानव हाथी द्वंद प्रबंधन एवं वन अग्नि नियंत्रण पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला 18 फरवरी 2०25 को वन परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश अहिरवार मानपुर द्वारा आयोजित किया गया इस कार्यशाला के दौरान मानव हाथी द्वंद प्रबंधन, वन अग्नि नियंत्रण, वनोपजों के समर्थन मूल्य एवं सजग एप्प के बारे में चर्चा की गयी प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित परिक्षेत्र सहायक, बीट प्रभारी, वन समितियां के अध्यक्ष/सचिव एवम हाथी मित्र दल (बांधव वीर) को संबोधित करते हुए रेंजर मुकेश अहिरवार ने वन परिक्षेत्र में जंगली हाथियों के इतिहास के बारे में बताया, एवं हाथियों में होने वाले जैनेटिक मैंगिंग के बारे में समझाया। इस दौरान उन्होंने जंगल में आग न लगाने की समझाईश देते हुए जंगली आग से होने वाले प्राकृतिक हानि के बारे में बताया। उन्होंने समझाईश दी कि महुआ बिनने के दौरान पेड़ के नीचे आग न लगावें एवं नेट के माध्यम से

पंचायत उपचुनाव के मतगणना हेतु मतगणना कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक समाज जागरण विश्व नाथ त्रिपाठी जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन शिव सहая अवस्थी तथा मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक एवं मतगणना डॉ दिव्या मिश्रा के कुशल निर्देशन में जनपद में पंचायत उपचुनाव के मतगणना की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए विकास भवन सभागार में मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। सुपर मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉक्टर मोहम्मद अनीस, धर्मेन्द्र ओझा, अशोक शुक्ला द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। सभी मतगणना कार्मिकों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में परियोजना निदेशक डीआरडीए ने कहा कि यह मतगणना बहुत ही संवेदनशील एवं बहुत ही महत्वपूर्ण

है, इसे पूरी सावधानी, पारदर्शिता, निष्पक्षता और कुशलता के साथ संपन्न कराए। यह मतगणना दो रिक्त प्रधान पदों क्रमश विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के ग्राम पंचायत हरनाहर व विकास खण्ड शिवगढ़ के ग्राम पंचायत रैनीसतखरिया के लिए की जाएगी। डॉक्टर मोहम्मद अनीस ने वैध और अवैध मतों के बारे में विस्तार पूर्वक से बताया, धर्मेन्द्र ओझा ने मतगणना की

संरक्षक रजेश मल्ला का दावा : सभी समस्याओं को हल करेगा कानपुर का हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल

सुनील बाजपेई कानपुर। यहां गोविंद नगर स्थित विद्यार्थी मार्केट महिलाओं के टॉयलेट समेत अनेक समस्याओं से सल्लो जूझ रहा है। ऐसा नहीं है कि इससे लिए प्रयास नहीं किए गए। किए अवश्य गये लेकिन न केवल संबंधित विभागों बल्कि किसी भी शरनप्रतिनिधियों ने भी आज तक पाकिंग सहित निर्माण कराने के रूप में महिलाओं की पिंक टॉयलेट वाली समस्या का भी निराकरण आज तक नहीं किया, जिससे विद्यार्थी मार्केट में बड़ी संख्या में आने वाली महिलाओं को भी बहुत परेशानी होती है। महिला टॉयलेट के साथ ही यहां की दूसरी बड़ी समस्या पाकिंग की भी है। इसका भी निस्तारण आज तक संभव नहीं हो सका है। फिलहाल इसके लिए हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल का प्रयास लगातार जारी भी है। और इसमें जल्द सफलता भी इसीलिए मिल सकती है ,क्योंकि आजकल जुझारू संरक्षक के रूप में हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल की कमान हर किसी के सुख दुख में स्वयं खड़े होने वाले परोपकारी सदैव के तेजदारों और व्यवहार कुशल व्यापारी नेता और चर्चित वरिष्ठ समाजसेवी राजेश कुमार भल्ला के हाथ में है। विद्यार्थी मार्केट के दुकानदार व्यापारियों की समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही अनवरत संघर्ष में जुटे रहने वाले हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल के संरक्षक के साथ ही गोविंद नगर के चार ब्लॉक स्थित श्री हनुमान मंदिर के अध्यक्ष, अखंड हिंद फौज में कानपुर मंडल के अध्यक्ष, श्री राम श्याम मित्र मंडल के उपाध्यक्ष, नवयुवक दशरहा कमेटी और स्वर्ग आश्रम सेवा समिति गोविंद नगर के उप चेयरमैन तथा बेहद सहयोगी व्यापार के व्यापारी नेता समाजसेवी राजेश कुमार भल्ला के मुताबिक अध्यक्ष सचिन दुआ और महामंत्री विपुल शाहा आदि पदाधिकारियों के साथ हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल अपना संघर्ष तब तक जारी रखेगा जब तक महिला पिंक

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री ने वेलेनस विशेषज्ञों के साथ गेटवे ऑफ इंडिया से ह्यफिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल की अगुवाई की गई और मोटापे से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाया

फिट इंडिया मूवमेंट का प्रमुख कार्यक्रम, संडेज ऑन साइकिल आज सुबह मुंबई के प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित किया गया, जिसका लक्ष्य लोगों में साइकिल चलाने के जरिए फिट और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूकता पैदा करना था और इसके साथ-साथ प्रदूषण के समाधान को बढ़ावा देना भी था। इस राइड को गेटवे ऑफ इंडिया से हरी झंडी दिखाई गई, जिसमें देश भर से वेलेनस विशेषज्ञों, विभिन्न साइकिल क्लबों और व्यक्तिगत फिटनेस उत्साही लोगों से मिलकर बने 5०० से अधिक साइकिल चालक शामिल हुए, जो आकर्षक मरीन ड्राइव से होते हुए गिरगांव चौपाटी पर समाप्त हुआ। साइकिल सवारों की अगुवाई केंद्रीय युवा मामलों एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया, जिन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक फिट राष्ट्र के विजन और खासकर शहरी युवाओं में मोटापे की समस्या से लड़ने के उनके हालिया आह्वान के अनुरूप ह्रसंडेज ऑन साइकिल अभियान की शुरुआत की। इस्तिफि, अच्छे स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाने के अलावा, इस सप्ताह के संडेज ऑन साइकिल का मुख्य संदेश डॉ. मांडविया के साथ अन्य प्रसिष्ठ मुंबईईकर भी शामिल हुए, जिनमें विश्व स्तर पर प्रसिद्ध वेलेनस विशेषज्ञ डॉ. मिर्की मेहता, डिजाइनर, सामाजिक

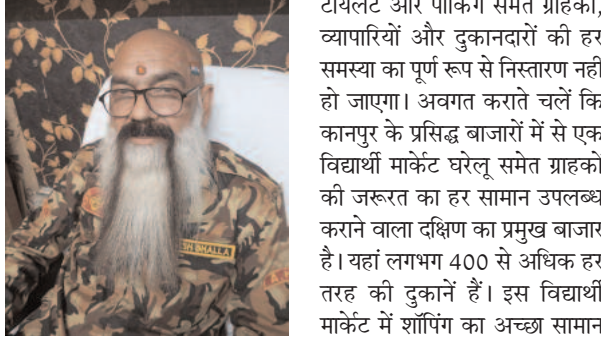


फूड ग्रेंड महुआ संकलन से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में चर्चा किया। वनोपजों के बाजार मूल्य के बारे में भी जानकारी ली एवं समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर वनोपजों के विक्रय करने से मनाही किया प्रशिक्षण के दौरान हाथियों के सामान्य व्यवहार के बारे में प्रशिक्षण दिया गया हाथियों से मुठभेड़ होने के दौरान किये जाने वाले व्यवहार के बारे में बताया एवं साथ ही साथ जंगली हाथियों की पहचान करने, प्रबंधन करने एवं हाथियों से सुरक्षा के उपाय के बारे में बताया।वनों के विनाश से होने वाले जलवायु परिवर्तन के बारे



बारीकियां के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि किसी भी मतगणना कार्मिक एवं एजेंट के पास किसी भी तरह का इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस एवं मोबाइल नहीं रहेगा, ना ही कोई मतगणना की गोपनीयता भंग करेगा। अशोक शुक्ला ने बैलट बॉक्स खोलने एवं बंद करने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर सभी मतदान कार्मिक, रणवीर सिंह, आदि उपस्थित रहे।

संरक्षक रजेश मल्ला का दावा : सभी समस्याओं को हल करेगा कानपुर का हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल



टॉयलेट और पाकिंग समेत ग्राहकों, व्यापारियों और दुकानदारों की हर समस्या का पूर्ण रूप से निस्तारण नहीं हो जाएगा।। अवगत कराते चलें कि कानपुर के प्रसिद्ध बाजारों में से एक विद्यार्थी मार्केट परेलू समेत ग्राहकों की जरूरत का हर सामान उपलब्ध कराने वाला दक्षिण का प्रमुख बाजार है। यहां लगभग 4०० से अधिक हर तरह की दुकानें हैं। इस विद्यार्थी मार्केट में शापिंग का अच्छा सामान चूड़ी, कपड़े, चप्पल, मिट्टी का सामान, बर्तन, घर का सामान, मसाले और जड़ी-बूटियां तक मिल जाती हैं। सौंदर्य प्रसाधन से लेकर कपड़ों साडियों समेत हर तरह का सामान मिलने से इस विद्यार्थी मार्केट में बड़ी संख्या में महिलाएं भी खरीदारी के लिए आती हैं, लेकिन उनके लिए यहां पिंक टॉयलेट की व्यवस्था नहीं है ,जिससे उन्हें भारी कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। पाकिंग समेत महिलाओं की पिंक टॉयलेट वाली इस समस्या के निराकरण के लिए संरक्षक राजेश कुमार भल्ला की अगुवाई में हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल का प्रयास लगातार जारी भी है, लेकिन इसमें सफलता का झंडा कब लहराएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

कार्यकर्ता और फिटनेस उत्साही शाइना एससी, यूपी-लोकयुक्त, महाराष्ट्र श्री संजय भाटिया जो हार्टफुलनेस मेंडिटेशन ट्रेनर भी हैं; और श्री कृष्ण प्रकाश, आईपीएस, एडीजी, मुंबई और आयरमैन ट्रायथलॉन पूरा करने वाले पहले आईपीएस अधिकारी शामिल थे। श्री मयंक श्रीवास्तव, आईपीएस, भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक और श्री पांडुरंग चांटे, क्षेत्रीय निदेशक, एएसआई, मुंबई, भवानी नाइक जोशी, सीईओ, बीवाईसीएस इंडिया फाउंडेशन और उपरती हुई अभिनेत्री ऐश्वर्या राज भाकुनी, एएसआई एथलीट और मुंबई के साइकिलिंग क्लब के सदस्य भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बोलेते हुए, केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा, ह्यह्यहमारे माननीय प्रधानमंत्री का विकसित भारत का सपना तभी मूर्त रूप ले सकता है। इस देश के नागरिक फिट हों, क्योंकि फिट लोग राष्ट्र निर्माण में कहीं ज्यादा योगदान दे सकते हैं। ह्यसंडेज ऑन साइकिल की यह पहल फिट जीवन जीने की अहमिियत को आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ युवा कार्बन फुटप्रिंट वाले परिवहन के साधन का उपयोग करके पर्यावरण को स्वस्थ रखने के लिए योगदान देने की एक कोशिश है। मैं सभी से, विशेष रूप से युवा लोगों से, आग्रह करता हूं कि जब भी संभव हो, वे साइकिल सवें।



बीएएमएस के छात्र-छात्राओं ने पीएचसी हरहुआ का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की ली जानकारी।

समाज जागरण अनिल कुमार हरहुआ वाराणसी।



प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ का राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज चौकाघाट वाराणसी के बीएएमएस द्वितीय वर्ष के 30 छात्र - छात्राएं ने डॉ0 विजय राय,डॉ0 रचना निगम तथा डॉ0राम निहोर तापसी के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया। जहां पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार ने समस्त संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए स्थलीय व्यस्थाओं से परिचित कराया। प्रसव कक्ष, कोल्ड चैन पॉइंट, प्रयोगशाला कक्ष, टीवी कक्ष, में चल रहे समस्त प्रोग्राम की जानकारी दी तथा राष्ट्रीय प्रोग्राम एड्स, लोप्रोसी, मानसिक, वेक्टर बोर्न , एल्डरली डिजीज, एनसीडी, तथा अन्य योजनाओं की जानकारी की भी विस्तृत जानकारी दी। भ्रमण

के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ0नंद आसरे, डॉ0 राजकुमार, डॉ0मनु चतुर्वेदी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सतीश गुप्ता, एआरओ श्रीनाथ यादव, फार्मासिस्ट राकेश कुमार, बीपीएम बसंत लाल श्रीवास्तव,कार्यालय सहायक पंकज कुमार सिंह, स्टाफ नर्स संजू यादव, एसटीएल एस मुन्ना लाल जयसवार ने अपने -अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। प्रभारी

चिकित्साधिकारी हरहुआ ने सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य से जुड़े कार्य सेवा आधारित कार्य है जिसको सेवा भाव से किया जाता है। इसे व्यवसाय के नजरिये से नहीं अपनाना चाहिए।सेवा,साधन व साध्य भावनाओं का संतुलन बनती है। पीएचसी हरहुआ की ओर से सभी छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार कराया गया और विदा किया गया।

एडवोकेट एक्ट में अमेंडमेंट अधिवक्ता हित कारी नहीं--एके सिंह अधिवक्ता

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी। समाज और आम जन मानस की न्याय लड़ाई लड़ने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले वकीलों के लिए केंद्र सरकार द्वारा अधिवक्ता विधेयक में हो रहे संशोधन को लेकर वकीलों में नाराजगी है। उक्त बाते युवा अधिवक्ता एके सिंह ने कही।उन्होंने कहाकि सरकार इस विधेयक में जो संशोधन करे जा रही है, उससे यह साफ है कि सरकार इस विधेयक के माध्यम से वकीलों की फ्रीडम ऑफ स्पीच को खत्म करने का प्रयास कर रही है।संशोधन अधिवक्ताओं पर जबरन थोपने का प्रयास किया जा रहा है। धारा 19 (1) अके अंतर्गत जो बोलने की स्वतंत्रता दी गई है, उस पर सरकार द्वारा अंकुश लगाने पका प्रयास किया जा रहा है।हस्र कानून के तहत वकीलों की आवाज को दबाने

मंदीप के हत्यारेपियों व जाम करने वालों के तलाश में जुटी

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी । फूलपुर थाना क्षेत्र के कठिराव (चंगलपुर) निवासी युवक मंदीप सोनकर के ग्राम प्रधान के समर्थकों के द्वारा पिटाई से हुई मौत के बाद शव रखकर कठिराव चौहारे पर चक्का जाम कर दिया था। जाम करने वालो के खिलाफ एफआईआर दर्ज के बाद पुलिस गिरफ्तार करने के प्रयास में जुट गई। वहीं मौत के आरोपितों के घर पर भी पुलिस ने दबिश दी। लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं कर पाई।पुलिस मंदीप सोनकर के मौत के मामले में ग्राम प्रधान बरही कला राय साहब समेत 4 लोगों के खिलाफ 304 बी के तहत मुकदमा

सड़क पर बनाया सीढ़ी, आवागमन प्रभावित

समाज जागरण रंजीत तिवारी रामेश्वर वाराणसी।।

कपसेठी थाना क्षेत्र के कपसेठी चौकिया गांव का सार्वजनिक चक्रोड जो गांव को जोड़ता है और गांव की आधी आबादी इस मार्ग से होकर अपने घर तक पहुंचती है जिस पर ग्राम सभा द्वारा इंटरलॉकिंग भी कराया गया है जिस पर गांव के ही कुछ दबंग किस्म के लोग गाँ पर अतिक्रमण कर लिए हैं तथा सीढ़ी आदि बनाकर सड़क के अस्तित्व को समाप्त करना चाहते हैं जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है वहीं पर स्थित एक पुराने कुएं को भी लोग कब्जे में ले लिए हैं तथा उसको भी क्षतिग्रस्त कर रहे हैं गांव के लोगों द्वारा इस मामले में उप जिला अधिकारी राजा तालाब समेत कई अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई करने की मांग की

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर ने भारत में विज्ञान के संचार की आवश्यकता और महत्व पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) ने नई दिल्ली स्थित अपने परिसर में "भारत में विज्ञान संचार की आवश्यकता और महत्व" पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में विज्ञान संचार के मौजूदा प्रयासों का मूल्यांकन करना और भारत के विविध भाषाई समुदायों में विज्ञान के साथ सार्वजनिक जुड़ाव बढ़ाने की रणनीतियों का पता लगाना था। अपने स्वागत भाषण में, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने वैज्ञानिक अनुसंधान और समाज के बीच की खाई को पाटने में विज्ञान संचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने समावेशिता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञान संचार के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, "वास्तविक वैज्ञानिक प्रगति समावेशी होती है। क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञान को बढ़ावा देने से यह सुनिश्चित होता है कि ज्ञान समाज के हर कोने तक पहुंचे।" पीएमई के प्रमुख डॉ. नरेश कुमार ने क्षेत्रीय भाषाओं में वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार की आवश्यकता पर जोर देते हुए परिचायात्मक टिप्पणी की। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक और भारतीय भाषा परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. मनीष मोहन गौरे ने कहा कि देश की क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रामाणिक जानकारी को प्रसारित करने के लिए सार्वजनिक जुड़ाव आवश्यक है। कार्यशाला में विभिन्न वैज्ञानिक और मीडिया संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विभिन्न प्रकार की चर्चाएँ की गईं। वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के सहायक निदेशक श्री दीपक कुमार ने "विज्ञान शब्दावली का वर्तमान स्वरूप, समस्याएँ और उपयोगिता" विषय पर चर्चा की। माइक्रोसॉफ्ट के डिजिटल मीडिया संचार प्रमुख श्री बालेंदु शर्मा ने "एआई और डिजिटल दुनिया का वर्तमान और भविष्य" विषय पर जानकारी दी। भारत के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के कार्यकारी सचिव डॉ. संतोष कुमार शुक्ला ने "भारतीय भाषाओं में विज्ञान लेखन और लोकप्रिय विज्ञान साहित्य" विषय पर चर्चा की, जबकि डिजिटल और सोशल मीडिया विशेषज्ञ सुश्री नेहा त्रिपाठी ने "वैज्ञानिक सामग्री के विभिन्न स्त्रोत और

उनकी प्रामाणिकता" विषय पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा, डॉ. कृष्णानंद पांडे, पूर्व वैज्ञानिक-एफ, आईसीएमआर ने "भारतीय समाज में जागरूकता पैदा करने में स्वास्थ्य संचार की भूमिका" पर प्रकाश डाला। सुश्री अंकिता मिश्रा, संपादक, एनआरडीसी ने "सोशल मीडिया युग में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में प्रिंट मीडिया की उपयोगिता और महत्व" पर प्रकाश डाला। दोपहर के सत्र में क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य पर चर्चा की गई। श्री शिवन्दन, कार्यक्रम कार्यकारी, आकाशवाणी ने "रेडियो और कृषि विज्ञान कार्यक्रम: प्रकृति और संभावनाएँ" पर अपने विचार साझा किए। श्री समीर गंगुली, विज्ञान लेखक ने "विज्ञान कथा कहानियों के सामाजिक संदर्भ" पर प्रकाश डाला। कार्यशाला ने विशेषज्ञों, संचारकों और प्रतिभागियों को सार्थक बातचीत में शामिल होने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया। चर्चाओं से भारतीय भाषाओं में विज्ञान संचार को मजबूत करने के लिए नीतिगत सिफारिशें प्राप्त हुईं, जिसमें अकादमिक-सरकारी-मॉडिटा सहयोग बढ़ाने और विज्ञान संचारकों के बीच क्षमता निर्माण के लिए रणनीतियों पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के संकाय और छात्रों के साथ-साथ वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और नीति निर्मातों सहित 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुल 08 वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें से 06 ऑनलाइन और 02 व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जिससे विचारों का समृद्ध आदान-प्रदान हुआ। कार्यक्रम का समापन छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र और प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसके बाद सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक और कार्यशाला के समन्वयक डॉ. मनीष मोहन गौरे ने समापन भाषण दिया और धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला ने भारत में सुलभ और समावेशी विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की प्रतिबद्धता को पुष्टि की। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के बारे में सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएससीपीआर) भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत एक मूल प्रयोगशाला है।

मंगारी में ग्राम प्रधान के लिए होगा आज मतदान

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के मंगारी ग्राम सभा का रिक्त ग्राम प्रधान पद पर चुनाव बुधवार को होगा । पोलिंग पार्टियां बृथ पर पहुंच गईं। ग्राम प्रधान पद के लिए 3302 मतदाता तीन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। मंगारी ग्राम प्रधान रहे नंदलाल जायसवाल के निधन पर रिक्त हुए पद पर चुनाव 19 फरवरी बुधवार को होना है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई। अपराह्न बाद पोलिंग पार्टी भी प्राथमिक विद्यालय मंगारी प्रथम पहुंच गईं। मतदान के लिए कुल 5 बृथ बनाये गए है। 3302 मतदाता तीन प्रत्याशियों डॉ कमल कुमार पटेल, स्वतंत्र कुमार गुप्ता व विजय कुमार के भाग्य का फैसला करेंगे। सहायक निर्वाचन अधिकारी कैलाश यादव ने बताया कि मतदान के तैयारी पूर्ण कर दी गई है। मतदान सुबह 7 बजे से 5 बजे तक होगा। निर्वाचन जारी कोई भी पहचान पत्र के आधार पर मतदान दे सकते है। वही मतदान के एक दिन पूर्व लोग मतदान की रणनीति बनाने में जुटे रहे।

पुराने बाउंडरी वाल को ही रंग रोगन कर नया दिखाने पर ग्रामीणों ने रोका काम

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के थानारामपुर पेयजल नलकूप के चहारदीवारी में अनियमितता मिलने पर ग्रामीणो कार्य को रोकवाते हुए उच्च अधिकारियों से ग्रामीणों के समझ जांच कराने की मांग डीएम से की



है। ग्रामीणों ने बताया कि थानारामपुर स्थित पेयजल नलकूप के चहारदीवारी का निर्माण के लिए लाखों रुपये की स्वीकृति एन एल टी को दिया। उक्त कम्पनी एक ठीकेदार को निर्माण कार्य करने का ठीका दिया। लेकिन उक्त ठीकेदार द्वारा बिना पुरानी बाउंडरी वाल को बिना तोड़े ही उसपर एक चार इंच का लिंटर बिना छड़ के लगाकर काम पूरा कर दिया। जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया और काम को रोकवा दिया। ग्रामीणों ने जब ठीकेदार से चहारदीवारी की ले आउट मांगा तो इधर उधर की बातें करने लगे। जिसपर ग्रामीणों ने काम को रोकवाते हुए जिलाधिकारी से त्वरित जांच कर कार्रवाई की मांग की।विरोध करने वालों में शशिकांत सिंह, नरेंद्र सिंह, अशोक सिंह, गिरीश सिंह, नितेश गुप्ता, निशल गुप्ता समेत अनेक ग्रामीण रहे।

भटके श्रद्धालुओं को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

समाज जागरण रंजीत तिवारी रामेश्वर (वाराणसी)

कपसेठी थाना क्षेत्र के तक्खू की बावली से पुलिस ने भटके हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों को बुलाकर सकुशल सौंप दिया। बताया जाता है कि



झारखंड प्रदेश के दहि्यारी पारस बनी बोकरो के रहने वाले रुकदेव गोप पुत्र रामदयाल गोप कुंभ नगरी प्रयागराज अमृत स्नान करने गए हुए थे जहां से भटककर उपरोक्त थाना के तक्खू की बावली बाजार चले आए थे। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उनके खाने-पीने की व्यवस्था करते हुए उनके परिजनों को बुलाकर सकुशल सौंप दिया।

आग्ने जल निगम की पाइप जल गई

समाज जागरण दानगंज संवादाता अॉकरा

दानगंज चोलापुर थाना के निवार में आज दोपहर के समय किसी कारण वश सरपत (घास) में आग लग गई जिससे जमीन पर रखी जल निगम की पाइप जल गई आग की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग पर पानी डालकर आग पर काबू पाया लेकिन दर्जन भर पाइप जल गई ।

पटना स्थित कुरथौल पंचायत के मुखियया गीता देवी को किया गया पदमुक्त

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ प्रखंड के कुरथौल पंचायत की मुखिया गीता देवी को बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग ने उनके खिलाफ की गयी शिकायतों को जांच में दोषी पाया और उन्हें पदमुक्त कर दिया। पंचायती राज विभाग की कार्रवाई से प्रखंड के जनप्रतिनिधियों में हड़कंप मच गया है। वहीं इस फैसले से नाराज मुखिया गीता देवी ने हाई कोर्ट जाने का फैसला किया है। मुखिया के प्रतिनिधि रामबचन राय ने बताया कि राजनितिक प्रतिद्विंदाते के कारण ऐसा फैसला लिया गया है। मुखिया के खिलाफ लगाए गए सारे आरोप पक्षपात करने का आरोप सरासर गलत है। रामबचन राय ने बताया कि मुखिया गीता देवी लगातार दूसरी

वार इस पंचायत से निर्वाचित हुई है। जिस मामले में सुनवाई किया गया है वह पहले वाले कार्यकाल का मामला चल रहा है अगर वह इस बार चुनाव नहीं जीतते तब या आदेश किसके खिलाफ लिया जात? उन्होंने बताया कि हम जल्द ही हाई कोर्ट में इस फैसले को चुनौती देंगे। फुलवारी शरीफ प्रखंड के कुरथौल पंचायत की मुखिया गीता देवी को मुखिया पद से हटाए जाने की खबर से फुलवारी शरीफ प्रखंड में राजनीतिक गलियारों में चर्चा का बाजार गर्म हो गया। बताया जाता है कि कई विकास योजनाओं में धांधली, पक्षपात एवं ग्राम सभा के बगैर ही विकास योजनाओं को पास करने, अभिलेखों के खिलाफ लगाए गए पंचायत भवन में रखने के बजाय अपने निजी भवन में रखकर उसका दुरुपयोग करने सहित कई आरोपों में नियमानुसार

पशुपालन एवं डेयरी विभाग और विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन ने पशुधन क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी के लिए रोडमैप तैयार किया

भारत में पशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय पशु चिकित्सा प्रयोगशालाओं में, एफएमडी मुक्त क्षेत्रों और स्वस्थ वैक्सीन मूल्य श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया गया; भारत में पशु चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक वर्ष के भीतर एक पशुचिकित्सा संबंधी पीपीपी नीति विकसित करने की आवश्यकता है: सचिव डीएचडी मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएचडी) ने विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूओएच) के सहयोग से 11 से 13 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में डब्ल्यूओएच पीवीएस-पीपीपी (पशु चिकित्सा सेवाओं का प्रदर्शन-सार्वजनिक निजी भागीदारी) केंद्रित सहायता कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य वैक्सीन सप्लैटफॉर्म, पशु चिकित्सा कार्यबल विकास, संस्थागत बुनियादी ढांचे और खुपुसका-मुहफका रोग (एफएमडी) मुक्त क्षेत्रों के निर्माण जैसे क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाओं

को मजबूत करना था। चर्चा का मुख्य विषय पशु चिकित्सा संबंधी पीपीपी भागीदारी के माध्यम से भारत में पशु चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण अंतराल को खत्म करना था, जिसमें निम्नलिखित पर जोर दिया गया: जिला स्तर पर एनर्बीएल-मान्यता प्राप्त पशु चिकित्सा प्रयोगशालाओं की स्थापना सहित पशु चिकित्सा बुनियादी ढांचे का विस्तार करना। उन्पत्त निगरानी और एफएमडी मुक्त क्षेत्र विकास के माध्यम से रोग नियंत्रण कार्यक्रमों को मजबूत करना। पशु चिकित्सा संबंधी प्रशिक्षण और ज्ञान-साझाकरण प्लेटफार्मों के माध्यम से पशु चिकित्सा कार्यबल क्षमता को बढ़ाती है, निर्माण करना। एक मजबूत टीका मूल्य श्रृंखला विकसित करके पशु चिकित्सा टीका उत्पादन में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना। पशु चिकित्सा अनुसंधान, निदान और विस्तार सेवाओं में निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता को एकीकृत करने के लिए एक व्यापक पीपीपी नीति ढांचे को परिभाषित करना। डीएचडी की सचिव सुश्री अलका उपाध्याय ने पशुधन क्षेत्र को समर्थन देने में पशु चिकित्सा सेवाओं की

स्वस्थ रहने हेतु किसानों को रासायनिक खेती का त्याग कर गोवंश आधारित जैविक खेती अपनाना होगा जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य

***जैविक किसान मेले में**

प्रगतिशील किसानों को स्क्वोप सर्टिफिकेट देकर किया सम्मानित।

समाज जागरण अनिल कुमार



हरहुआ वाराणसी। बढ़ती हुई असाध्य्या एवं गंभीर बीमारियों को देखते हुए सरकार द्वारा किसानों को जैविक खेती करने के लिए जागरूक करने हेतु उपनिदेशक कृषि अखिलेश सिंह की निदेशन में नरामि गंगे योजना के अंतर्गत कृषि विभाग व मार्क एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में हरहुआ विकास खंड क्षेत्र के घमहापुर गांव में आज मंगलवार को आयोजित जैविक किसान मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने दीप प्रचलन कर किया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने प्रगतिशील किसानों को स्क्वोप सर्टिफिकेट वितरण कर सम्मानित करते हुए कहा कि आज हमारे समाज में हो रहे गंभीर बीमारियो से निजात पाने तथा स्वस्थ रहने के लिए किसानों को

किया। कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का स्वागत मार्क एग्री जेनेटिक के प्रोजेक्ट मैनेजर अखिलेश तिवारी ने पुुप गुच्छ,अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान पवन कुमार सिंह 'अजय',विनय कुमार सिंह 'हितलर',प्रेमशंकर सिंह ,देवेंद्र नारायण, सहायक विकास अधिकारी कृप देवेंद्र कुमार पांडेय, कृषि रक्षा प्रभारी नवीन कुमार, कृषि सखी गीता कुमारी सहित क्षेत्र के सैकड़ो महिला एवं पुरुष किसान उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोजेक्ट संयोजक अखिलेश तिवारी तथा संचालन प्राविधिक सहायक बच्चूलाल ने किया।

प्राथमिक विद्यालय रामेश्वर प्रथम में वार्षिकोत्सव संपन्न

समाज जागरण रंजीत तिवारी



रामेश्वर (वाराणसी) भारतीय संस्कृति व संस्कार ने आध्यात्मिक चेचना के साथ ही विद्या ,ज्ञान ,त्याग ,मूल्य ,प्ररोपकार, सहयोग ,समन्वयन सहित भावनात्मक प्रेरणा प्रधान जीवन शैली प्रदान किया है जिसके द्वारा व्यक्ति देशभक्ति ,स्वस्थ समाज की रचना किया और जीवन शैली को सुखमय ,भक्तिमय बनाया। इस रचना के कर्णधार ,शिल्पी शिक्षक ही रहे जो अपना नैतिक दायित्व संस्कारों के द्वारा प्रदान कर पहचान बनाया। बच्चों के भविष्य निर्माता शिक्षक बच्चों के भावनाओं को समझते हुए उन्हें संस्कारित करें। उक्त बातें प्राथमिक विद्यालय रामेश्वर प्रथम के वार्षिकोत्सव अवसर पर

उपस्थित सम्मानित अतिथियों ,अभिभावकों ने अपने सम्बोधन में व्यक्त की। वार्षिकोत्सव में पुरातन छत्रों का माल्यांगन कर स्वागत करते हुए बच्चों ने भारतीय संस्कृति आधारित गीत ,नृत्य ,भाषण ,नाटक की प्रस्तुति की। प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। वार्षिकोत्सव समारोह में प्रमुख रूप

से पूर्व प्रधान डॉ0 रामप्रसाद ,प्रधानाध्यापक सत्येंद्र नारायण त्रिपाठी,अशोक कुमार मिश्र,अशोक कुमार सिंह,विनोद कुमार,शिक्षक गण विजय कुमार गुप्ता ,अजीत कुमार ,ज्वाला प्रसाद, अखिलेश सिंह,संजीव कुमार तिवारी, बेबी कुमारी,बृजेश कुमार मौर्य सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे।

बड़ागांव में ग्राम प्रधान उपचुनाव आज

समाज जागरण रंजीत तिवारी



वाराणसी- ग्राम प्रधान के उपचुनाव को लेकर बड़ागांव विकास खंड में तैयारी पूरी कर ली गई।उप चुनाव संपन्न कराने हेतु बृथ पर पोलिंग पार्टी पहुंच गई है।वही पुलिस ने मंगलवार को फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस बल ने पूरे क्षेत्र में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों से निष्पक्ष व शांतिपूर्ण

मतदान की अपील के व बड़ागांव में ग्राम प्रधान पद के लिए चुनाव बुधवार को होगा। खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बताया चुनाव संपन्न कराने हेतु आज सभी कर्मचारी को अपने बृथ पर भेज

दिया गया।थानाध्यक्ष अतुल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान के दौरान क्षेत्र में शराब की दुकानें और बाजार बंद रहेंगे ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो और मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो

पदाधिकारी विजय कुमार मिश्रा ने बताया कि इस मामले में उन्हें लेटर मिला है अब इसका अवलोकन करने के बाद आगे नियम अनुसारा उप मुखिया को यहां का मुखिया का पद भार सौंपने के प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बताया जाता है की मुखिया गीता देवी, मुखिया के विरुद्ध आरोप है कि उनके द्वारा ग्राम पंचायत कुरथौल में उदमपुर किराना दुकान से होते हुए प्राथमिक विद्यालय, विष्णुपुर पकड़ी तक रोड ढलाई एवं नाले जिसकी लम्बाई लगभग 28 फीट एवं चौड़ाई 10 फीट का निर्माण कार्य कराया जाना है(यह योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 के GPDP में अंकित है)परन्तु योजना का कार्यान्वयन कराने हेतु प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी-सह-तत्कालीन कार्यालयक पदाधिकारी, पंचायत समिति, फुलवारीशरीफ द्वारा कई बार

निदेश दिया गया, उसके बावजूद योजना का कार्यान्वयन नहीं किया गया। इसके अलावा एक ही दुकान मां लक्ष्मी ट्रेडर्स से ही विकास योजनाओं की सामग्री खरीद किए जाने का आरोप है। सरकारी दस्तावेज जो पंचायत भवन या पंचायत सेवक के पास होना चाहिए वह मुखिया अपने निजी आवास में रखती है इसके अलावा ग्राम सभा के बगैर ही कई विकास योजना को पास किया जाता है। इन आरोपों के संबंध में मुखिया गीता देवी का कहना है कि जिस दर पर विकास योजनाओं की सामग्री खरीद की जानी है उसी दर पर मां लक्ष्मी ट्रेडर्स से खरीद की गई एवं पंचायत का दो कमरों का भवन काफी वर्षों से जर्जर है इसके बाद सरकारी अभिलेख दस्तावेज रखना सुरक्षित नहीं है जिसके चलते हुए इसे अपने आवास पर रखते हैं।

महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो भारत के कृषि सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 30% से अधिक का योगदान देता है। उन्होंने एनबीएल मान्यता के साथ पशु चिकित्सा प्रयोगशालाएँ स्थापित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया और इस बात पर बल दिया कि रोग निगरानी, कार्यबल क्षमता और टीका उत्पादन के लिए निजी क्षेत्र का सहयोग आवश्यक है। ह्इ इस कार्यशाला ने पशु चिकित्सा सेवाओं में संरचित पीपीपी जुड़ाव के लिए एक मंच तैयार किया है । उन्होंने कहा कि चर्चाएं एक ऐसे रोडमैप में योगदान देंगी जो राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रमों को बढ़ाती है, पशु चिकित्सा बुनियादी ढांचे का विस्तार करती हैं और पशु स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करती हैं। सुश्री उपाध्याय ने पशु चिकित्सा सेवाओं में दीर्घकालिक निवेश और निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक वर्ष के भीतर एक पशु चिकित्सा संबंधी पीपीपी नीति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रशासन सरल, नकल एकेने और बेहतर सुविधाओं पर जोर

- सुरक्षा और सुविधा पर विशेष जोर

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए जेनल, सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की उपस्थिति में मंगलवार को संजय कम्प्यूटरी हॉल में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सभी केंद्र व्यवस्थापकों को नकलमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही परीक्षार्थियों के लिए सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश दिए गए।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं 24 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष 125 परीक्षा केंद्रों पर कुल 99,436 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को पारदर्शी और सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जेनल मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को नियुक्ति की है। ये अधिकारी परीक्षा केंद्रों की निगरानी करेंगे और सचल दलों के रूप में परीक्षा की व्यवस्था का आकलन भी करेंगे।



सुरक्षा और सुविधा पर विशेष जोर
बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने निर्देश दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। साथ ही, बिजली, पेयजल और शौचालय की सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीआईओएस अजीत कुमार को निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्रों पर छात्रों के लिए आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता के

आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। इस समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, एसएसपी अनुराग आर्य, एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एसपी सिटी मनुष्य पारिक, अपर नगर मजिस्ट्रेट, डीआईओएस, सभी केंद्र व्यवस्थापक, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। प्रशासन की सख्ती से यह स्पष्ट है कि इस बार बोर्ड परीक्षा पूरी पारदर्शिता और सख्त निगरानी में कराई जाएगी ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो और छात्रों को एक निष्पक्ष परीक्षा माहौल मिल सके।

शराब पीने से मना करने पर किया जानलेवा हमला, बाइक छोड़कर भागे बदमाश

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली / फतेहगंज पूर्वी । नगर की नई कॉलोनी बिलपुर निवासी प्रदीप राठी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह नेशनल हाईवे पर हनुमान मूर्ति के सामने चाट पकौड़ी की दुकान लगाता है। सोमवार शाम के समय में वह अपनी दुकान पर था, तभी नई कॉलोनी निवासी राकेश, जितेंद्र, अभिषेक मौर्य व एक अज्ञात उसकी दुकान पर आए और शराब पीने लगे जब उसने दुकान पर शराब पीने से मना किया तो उन लोगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। बही दुकान पर मौजूद प्रदीप का भांजा सोमवीर भी मौजूद था उस पर भी



दवंगो ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। उसके बाद उन लोगों ने उसकी गर्दन उसकी जोर से दबाई, जिससे उसकी सांसें भी रुक सकती थीं। घटना चिल्लाने की आवाज पर मौके पर भीड़ जमा होने लगी। इसके बाद वह चारों एलानिया धमकी देते हुए फरार

हो गए। चारों लोग अपनी दोनों मोटरसाइकिल उसकी दुकान के सामने ही छोड़ गये पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिलों को हिरासत में ले लिया है। इंस्पेक्टर संतोष कुमार का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

डासना और तिहाड़ जेल में रह चुका राजीव चौधरी अब बना पत्रकार

0 पहले दैनिक भास्कर कार्यालय में की थी चोरी, फिर किया डोमेन ट्रेडमार्क का दुरुपयोग

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली । पत्रकारिता की दुनिया में एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। डासना और तिहाड़ जेल की सलाखों के पीछे रह चुका राजीव चौधरी अब पत्रकार बनकर सक्रिय है। इससे पहले वह दैनिक भास्कर के बरेली कार्यालय में चोरी के आरोप में पकड़ा गया था, जिसके बाद तत्कालीन ब्यूरो चीफ धीरेन्द्र सिंह धीरू ने उसे पदमुक्त कर दिया था। डोमेन चोरी और ट्रेडमार्क का दुरुपयोग धीरेन्द्र सिंह धीरू के अनुसार, राजीव चौधरी ने अपने पद का दुरुपयोग कर ह्याभास्कर टुडेडैप्प का डोमेन और ट्रेडमार्क हड़प लिया। यही नहीं, बाद में उसने डोमेन का



पासवर्ड बदल दिया, जिससे असली हकदारों की पहुंच भी बंद हो गई।
पहले से ही संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त था आरोपी
राजीव चौधरी पर पहले भी कई गंभीर आरोप लग चुके हैं। दैनिक भास्कर कार्यालय में हुई चोरी के

दौरान आंतरिक दस्तावेजों से छेड़छाड़ की आशंका जताई गई थी। इस घटना के बाद से ही उसकी संदिग्ध गतिविधियों पर सवाल उठने लगे थे। अब जब उसने पत्रकारिता में कदम रखा है, तो उसके पुराने कारनामों फिर से चर्चा में आ गए हैं।

बंदर और आवाय कुत्तों के हमले से चार घायल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली । अलग-अलग स्थान पर बंदरों और कुत्तों के हमले में कई लोग घायल हो गए उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रेमनगर थाना क्षेत्र के शाहाबाद मोहल्ले में स्थित भूडपट्टी निवासी 45 वर्षीय विनोद पुत्र स्वामी रामपाल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ उसके घर वालों ने बताया कि विनोद अपने घर की छत पर बैठे थे तभी अचानक बंदरों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया खुद को बंदरों से बचने के लिए विनोद नाम छत से नीचे छलांग लगा दी सड़क पर गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया शौर सुनकर मौके पर पहुंचे घर वाले उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।
इसके अलावा आंवला थाना क्षेत्र के गांव मनोना धाम निवासी 5 वर्षीय अर्नव पुत्र विकास को भी घर वालों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहाँ उन्होंने बताया कि वह रोजाना



की तरह आज सुबह अपने घर के आगेन में खेल रहा था तभी अचानक कई बंदरों ने उसे पर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया उसके रोने की आवाज सुनकर पहुंचे घर वाले उसे इलाज के लिए पहले स्थानीय अस्पताल ले गए फिर जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया। वहीं इज्जत नगर के गांव मुद्दिया अहमदनगर निवासी 5 वर्षीय अयान पुत्र इबादत को भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ उसने बताया कि वह आज सुबह घर के बाहर

दरवाजे पर खेल रहा था इसी दौरान अचानक कुछ बंदरों ने उस पर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया शौर सुनकर पहुंचे गांव वालों ने उसे बचाया और घर वालों को जानकारी दी जो उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाये। इज्जत नगर थाना क्षेत्र के 27 वर्षीय अरविंद पुत्र जगदीश प्रसाद सुबह गली में अपने जा रहा था इस दौरान आवाय कुत्ते ने उनके हाथ में काट लिया अरविंद इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

नवाबगंज सबस्टेशन के जेई को अधीक्षण अभियंता ने किया निलंबित

- ओटीएस योजना में लापरवाही करने पर गिरी गाज

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। बिजली विभाग की एक मुश्त समाधान योजना में लापरवाही करने पर नवाबगंज सबस्टेशन के जेई को अधीक्षण अभियंता ने निलंबित कर दिया है। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि जेई सुनील कुमार ने एक मुश्त समाधान योजना के दौरान एलएमवी

2, 4 और 6 के उपभोक्ताओं से शत प्रतिशत की वसूली नहीं की और बिना अधिकारियों को सूचना दिए अपने कार्यस्थल और मुख्यालय से गायब रहे। बिजनेस प्लान समेत अन्य योजनाओं में रूचि नहीं लेने पर लापरवाही मानते हुए निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की अवधि में वह अधिशासी अभियंता कार्यालय में अटैच रहेंगे।

रोडवेज बस और कार की भीषण टक्कर, मशहूर कच्चाल सईम और अकरम की मौत, छह गंभीर घायल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। शाही के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें पीलीभीत के मशहूर कच्चाल सईम (55 साल) और अकरम (32 साल) की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में अरशद कच्चाल समेत उनकी टीम के पांच सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।



अलीगढ़ से लौट रहे थे कलाकार
अरशद कच्चाल, जिन्हें अरशद काम्बली के नाम से जाना जाता है, पीलीभीत के पूरनपुर थाना क्षेत्र के गहुलुईया गांव के निवासी हैं। वे अलीगढ़ में एक कच्चाली कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में धौरा गांव के पास उनकी इनोवा गाड़ी टनकपुर डिपो की रोडवेज बस से टकरा गई। बस टनकपुर से बरेली की ओर आ रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

घटनास्थल पर हुई दो की मौत
इस हादसे में सईम कच्चाल और उनके सहयोगी अकरम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरशद

काम्बली, वहीदा बेग, जावेद और शोहरत गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। नवाबगंज पुलिस ने इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि बाकी घायलों का इलाज जारी है।

कच्चाली जगत में शोक की लहर
कच्चाली जगत में शोक की लहरअस दुखद हादसे से बरेली और पीलीभीत के लोग सदमे में हैं। अरशद काम्बली और उनकी टीम कच्चाली की दुनिया में एक बड़ा नाम हैं, जिनके लाखों प्रशंसक हैं। इस घटना ने उनके चाहने वालों को गहरे दुख में डाल दिया है।

सड़क सुरक्षा को लेकर उठने लगी है सवाल

यह हादसा सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोग और पीड़ितों के परिजन ने प्रशासन से इस हादसे पर सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत करने की मांग की है।

प्रशासन ने जारी किया बयान

पुलिस प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हादसे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन जांच के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली, पुलिसकर्मी भी घायल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। पुलिस मुठभेड़ में चोरी और लूट के दो बदमाशों को इज्जतनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस दौरान तीन बदमाशों मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। एक पुलिसकर्मी के भी चोटें आई हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार रात इज्जतनगर पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी इज्जतनगर क्षेत्र में गल्हपुर पुलिसिया के पास संदिग्ध लोगों की गतिविधियां देखी गईं। इसके बाद पुलिस ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने बाइक की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगे और साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मी को भी टक्कर मार दी। पुलिस ने पीछा किया और धीमरी मोड़ के पास घेराबंदी कर बदमाशों को रोकने की कोशिश की। ऐसे में जब बदमाशों ने खुद को घिरता देखा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सचिन सैनी के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने सीबीगंज के मथुरापुर



निवासी सचिन सैनी उर्फ चुटकुला व बारादरी के कांकरटोला निवासी अभिषेक को गिरफ्तार किया है। वहीं मौके से फरार होने वाले अमरसिया निवासी सुनील, केंट के बरी गमला निवासी शेर सिंह उर्फ शेरा और छोटी बाजार निवासी राहुल शर्मा उर्फ टीनू है।

ये सामान हुआ बरामद
पुलिस मुठभेड़ के दौरान आरोपियों से एक 32 बोर तमंचा, 2 खोखा कारतूस, 2 जंदा कारतूस, 2 मोबाइल फोन, एक डंडा और 3900 रुपये बरामद हुए हैं।

आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं दर्जनों मुकदमे
गिरफ्तार बदमाशों ने बरेली के कई

थाना क्षेत्रों (सीबीगंज, फतेहगंज, मीरगंज, भुता, बिथरी चैनपुर भोजीपुरा) में लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूली है। सचिन सैनी उर्फ चुटकुला शांति अपराधी है और 2024 में न्यायिक अभिरक्षा से भी फरार हो चुका है। सचिन पर 22 मुकदमे दर्ज हैं, वहीं अभिषेक पर 23 मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तार करने वाली टीम
आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में इज्जतनगर इंस्पेक्टर बिजेन्द्र सिंह, दोगा, संजय कुमार, अनूप सिंह, जयप्रकाश वर्मा, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र अवस्थी, विपुल कुमार, कांस्टेबल विशाल, धनीरा सक्सेना, राजेश, कामिल शामिल रहे।

डॉ. रजनीश सक्सेना हुये एतन टाटा मैमोरियल एफ़् एन, ग्लोबल पीस अवार्ड, अर्न्तराष्ट्रीय मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली । दिल्ली चाणक्यपुरी के इन्टरनेशनल यूथ हॉस्टल के सभागार का जहाँ आरोग्यम सुख संपदाम फ्लोअर ट्रस्ट यूथ फ्रेटरनिटी प्लॉउ-डेगान, टीएचएचएचडब्ल्यूडब्ल्यू, वीजीबीएफ, जीएआरसीआई, एचसीएसी के संयुक्त तत्वावधान में 25 वें अर्न्तराष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन डॉ. सच्चिदानंद के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर गणमान्य मुख्य अतिथियों में सुप्रीम कोर्ट के सॉलिसिटर मोती प्रसाद (एड.), सुप्रीम कोर्ट के असिस्टेंट (एड.) जनरल श्रेष्ठ कुमार जैन, सेक्टर क्लब डिस्ट्रिक्ट 3012 के अध्यक्ष सी.ए. अनुज जैन, न्यूज 7 के मुख्य सम्पादक शिव कुमार, योगा लवर्स के संस्थापक सुनिल सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रजनीश सक्सेना, महेश जैन, राकेश शर्मा, जयमुनि गोयल, जिया लाल, त्रिवा, रमेश पांड्या, डॉ. रोहित भंडारी, डॉ. अजहर खान, डॉ. लुबना कमाल, डॉ. उर्मिला ग्रीह आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मालाधारण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में माँ वाणी की वन्दना राष्ट्रीय कलाकारों द्वारा



सामूहिक नृत्य के रूप में प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में भारत माता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज, माँ प्रकृति, माँ गंगा एवं गौ माता के लिये संयुक्त प्रतिज्ञा ग्रहण सामूहिक रूप से किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछले 39 वर्षों से राष्ट्रीय/अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर श्री गंगा, गौ, बेटी, पर्यावरण बचाओ देश बचाओ के साथ रक्तदान महादान को प्रवासरत अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. रजनीश सक्सेना को राष्ट्र, समाज, प्रकृति के हित में अमूल्य योगदान देने के लिये तिरंगा पगड़ी, पटका, जयपुरी माला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर रतन टाटा मैमोरियल राष्ट्र रत्न सम्मान, ग्लोबल पीस अवार्ड-2025 से नवाजते हुये सम्मानित

किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण एस. आई.एस. यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., ईवीयू, मिर्गण, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ईराक, जी एस टी एस इंटर, नाईजीरिया आदि अर्न्तराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से बरेली शहर को अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाले वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रजनीश सक्सेना को अर्न्तराष्ट्रीय मानद डॉक्टरेट उपाधि सम्मान से विभूषित किया। इस अवसर पर पूर्व की भांति डॉ. रजनीश सक्सेना ने सभी की श्री गंगा, गौ, बेटी, पर्यावरण बचाओ-देश बचाओ के साथ रक्तदान महादान के प्रति जगत्कर करते हुये शपथ दिलाई।

अन्य में आभार संयोजक डॉ. सच्चिदानंद शांडिल्य ने गणमान्य अतिथियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कर किया।

मजदूरों से मी कम वेतन पर बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षामित्र बोले घर चलाया हुआ मुश्किल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। बहेड़ी उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों के बच्चों का भविष्य संभालने में जुटे शिक्षा मित्र आज भी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं। मजदूरों से भी कम में बच्चों को तालीम देने वाले शिक्षामित्र महज 10 हजार रुपये महीने की नौकरी कर मजदूरों से भी कम में बच्चों को तालीम दे रहे हैं समाजोपनि से कुछ उम्मीद जागी थी जो कि रद्द होने पर फिर वही हालत हो गई। बेसिक स्कूलों में शिक्षकों की कमी के चलते शिक्षामित्र लगाए गए थे शिक्षकों के बराबर काम कर रहे शिक्षामित्रों को



इस समय मात्र 10 हजार रुपए मानदेय के रूप में मिल रहे हैं। जबकि आज के समय में एक मजदूर 400 से 500 रुपए मजदूरी ले रहे हैं। इस हिसाब से उनके 12 से 15

हजार रुपये महीने की आमदनी बनती है। जबकि उनको एक माह में मात्र 10 हजार मिलते हैं। इतने कम रुपयों में घर का खर्चा चलाना मुश्किल हो जाता है।

स्वा सेंटर पर छापा, आपतिजनक हालत में मिले लड़के और लड़कियां, पुलिस ने 6 लोगों को दबोचा

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली । प्रेमनगर पुलिस ने डीडीपुरम स्थित एक स्वा सेंटर पर छापा मार कार्रवाई की। जहां दो लड़के और चार लड़कियों को पकड़ा गया है। पुलिस सभी को थाना ले आई। स्वा सेंटर से क्या सामान बरामद हुआ है। इसकी जानकारी पुलिस देर रात तक नहीं दे सकी। प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली के डीडीपुरम स्थित एक स्वा सेंटर पर अनेतिक कार्य होता है। इंस्पेक्टर पुलिस टीम के साथ स्वा सेंटर पर पहुंचे।



बताया जाता है कि सेंटर पर दो लड़के और चार लड़कियां आपतिजनक स्थिति में मिले। पुलिस को देखते ही सभी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने दबोच लिया और थाने ले आई। पकड़े गए लड़के और लड़कियों से पुलिस दे रात तक पूछताछ करती रही। सूत्रों के अनुसार स्वा सेंटर से आपतिजनक वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। पकड़े जाने पर लड़कियां महिला पुलिस कर्मियों के सामने गिड़गिड़ाती रहीं, लेकिन पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी। पहली बार में पुलिस चार लड़कियों और दो लड़कों को पकड़ कर थाने ले आई। बाद में पता चला कि स्वा सेंटर में आपतिजनक वस्तुएं भी हैं। तब पुलिस टीम दोबारा पहुंची और तलाशी ली। मौके से आपतिजनक वस्तुएं मिलीं। हालांकि, प्रेमनगर पुलिस ने अभी इस संबंध में कोई जानकारी देने से मना कर दिया है।

इंपर की टक्कर से छात्रा गंभीर घायल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली । आंवला में भूतेश्वर मंदिर के समीप रामनगर रोड पर डंपर की चपेट में आने से साइकिल सवार हाईस्कूल की छात्रा गंभीर घायल हो गईं। आंवला के मोहल्ला मिजापुर निवासी मनु (15 वर्ष) पुत्री मनोज कुमार मंगलवार सुबह करीब नौ बजे कोचिंग से लौट रही थीं। भूतेश्वर मंदिर के समीप बरेली की तरफ से आ रहे डंपर ने छात्रा को चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने छात्रा को सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बरेली रेफर कर दिया गया। उसे मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्रा के पिता सेना में हैं। वह 15 दिन पहले छुट्टी खत्म होने के बाद वापस ड्यूटी पर गए थे। छात्रा की हालत गंभीर बताई गई है। उधर, हादसे के बाद डंपर लेकर चालक फरार हो गया। स्थानीय युवकों ने डंपर चालक का करीब 10 किलोमीटर तक पीछा किया, लेकिन उसे पकड़ नहीं सके। हालांकि युवक ने डंपर को नंबर नोट कर लिया है।

बंदरों का आतंक, समाजवादी मजदूर सभा ने डीएम से बंदर पकड़वाने की मांग की

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली । थाना बिथरी चैनपुर क्षेत्र के गाँव अहियापुर मानपुर में बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान ग्रामीणों ने समाजवादी मजदूर सभा के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जिलाधिकारी से इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।



है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों ने गाँव में भारी उत्पात मचा रखा है, जिससे कई वृद्ध महिलाएँ और बच्चे बुरी तरह कटे जा चुके हैं। कुछ महिलाएँ बंदरों के हमले के कारण छत से गिरकर घायल भी हो चुकी हैं। समाजवादी मजदूर सभा के जिला उपाध्यक्ष दीपेंद्र यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बंदरों को पकड़ने और गाँव की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा, ग्रामीणों ने आधार कार्ड संशोधन, किसान रजिस्ट्री और किसान सम्मान निधि के नाम पर हो रही उगाही की शिकायत भी की। जापान देने वालों में यशवीर सिंह यादव, मुकेश यादव, दीपेंद्र यादव, विवेक गुर्जर, गिरिश कुमार, केशव दिवाकर, शनि दिवाकर, पुषेंद्र कुमार और सुभाष सिंह गुर्जर जैसे कार्यकर्ता शामिल थे।

एसपी यातायात को डंडा लेकर उतरना पड़ा सड़क पर

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो मथुरा

मथुरा जनपद में बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए एसपी ट्रैफिक को डंडा लेकर सड़क पर उतरना पड़ा। दो घंटे तक पैदल चलते हुए 24 चालान कटवाए। सफेद पट्टी के अंदर खड़ी कार को क्रैन से उतवाया। एसपी ट्रैफिक की कार्रवाई से टैपो, ई-रिक्शा के साथ कार व बाइक सवारों में



अफरा-तफरी मची रही। नए बस स्टैंड से भूतेश्वर चौराहे तक सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहन, टैपो व ई-रिक्शा शहर में जाम की समस्या बनाए हैं। नए बस स्टैंड, बीएसएफ कट, भूतेश्वर तिराहा, अग्निशमन ऑफिस कट, सौख रोड, कृष्णा नगर चौराहा और गोवर्धन चौराहे पर कई टीएसआई समेत कांस्टेबल तैनात हैं। फिर भी सड़क पर सफेद पट्टी के अंदर वाहनों का खड़ा होना कम नहीं हुआ। एसपी यातायात मनोज कुमार यादव एक बस स्टैंड पहुंचे। यहां पर सड़क को घेरें खड़े आड़े-तिरछे टैपो व ई-रिक्शा को देख डंडा लेकर हटवाना शुरू कर दिया। टैपो व ई-रिक्शा चालकों को सड़क किनारे लाइन से चलने की नसीहत दी। इसके बाद पैदल चलते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों 24 वाहनों के चालान कटवाए।

पंजाब में बस - ट्रक की टक्कर में महिला सहित 5 लोगों की मृत्यु, बस स्पेनजाले में गिरी

रघुनंदन पराशर समाज जागरण
पंजाब चीफ ब्यूरो
जैतो (पंजाब) 18 फरवरी : यहाँ से 28 किलोमीटर दूर पंजाब में फरीदकोट-कोटकपुरा रोड पर शाही हवेली फरीदकोट के पास एक भयंकर सड़क हादसा हुआ है। सूत्रों के अनुसार एक तेज रफतार बस और ट्रक में अचानक टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस अनबेलेंस होकर रेलिंग तोड़ती हुई सेमनाले में गिर गई। यात्रियों से भरी बस में नाले में गिरे ही पलट गई और पैसेंजर्स में चीख पुकार मच गई। हादसे में एक महिला सहित 5 लोगों की मौत हुई है और लगभग 26 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें पुलिस ने लोगों की मदद से बाहर निकाला हादसे की जानकारी मिलते

ही पुलिस, एंबुलेंस और आस-पास रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे। फरीदकोट एस.एस.पी.डी.प्रज्ञा जैन ने हादसे की पुष्टि और घायलों के खतरे से बाहर होने की पुष्टि की है। हादसा होने के कारणों का पता लगाया जाएगा तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जांच भी की जाएगी कि हादसे का कारण कोई टेक्निकल फॉल्ट तो नहीं है। आज सुबह अबोहर से श्री अमृतसर साहिब जाने के लिए एक प्राइवेट बस निकली थी। कोटकपुरा से फरीदकोट आते हुए सेमनाले के पास बस सामने से आ रहे ट्रक से भीड़ गई टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सब अनबेलेंस होकर सेमनाले में गिर गई। सुबह हल्की धुंध भी थी, लेकिन हादसे का कारण तेज रफतार

है। लोगों की चीख पुकार सुनकर राहगीर जुट गए। हादसे की सूचना राहगीरों ने ही पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके दी। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस बल और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची। लोगों की मदद से डैमेज बस से लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों में महिला भी शामिल एस.एस.पी.डी. प्रज्ञा जैन ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधीश विनीत कुमार, ए.डी.सी. ओजस्वी अलंकार, एस.डी.एम. वरुण कुमार भी मौके पर पहुंचे। बस में करीब 35 लोग सवार थे, जिनमें से महिला समेत 5 लोगों की मौत हो गई है। घायलों का उपचार गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल फरीदकोट में चल रहा है।

वैष्णव लोग वो होते हैं जो दूसरों का दर्द समझते हैं: बिदू बादल

रघुनंदन पराशर समाज जागरण
पंजाब चीफ ब्यूरो
जैतो/पंजाब, 18 फरवरी : लायन आई केयर सेंटर जैतो दशकों से लगातार नेत्र रोगियों का ऑपरेशन करता आ रहा है। जहां पर कैप चेयरमैन नरेश मित्तल के नेतृत्व में करीब 200 किलोमीटर के क्षेत्र में स्थानीय समाज सेवी संस्थाओं के सहयोग से कैप आयोजित कर मरीजों की आंखों की जांच की जाती है। यहां से सर्जरी के लिए पात्र मरीजों को जैतो स्थित लायन अस्पताल लाया जाता है और फेको मशीन के माध्यम से उनका निशुल्क ऑपरेशन किया जाता है। इन मरीजों को ऑपरेशन के बाद एक रात जैतो में रकबा पड़ता है। उनका नाश्ता, दोपहर का भोजन और आवास लायंस क्लब द्वारा नि:शुल्क प्रदान किया जाता है। इसी श्रृंखला के तहत शाम के भोजन के दौरान भारत माता अभिनंदन संगठन के प्रदेशाध्यक्ष राजीव गोयल बिदू बादल, अश्वनी अरोड़ा, राजीव सिंगला, विकास गोयल विक्की एवी इंडस्ट्री, कश्मीरी



के कैप चेयरमैन नरेश मित्तल ने संस्था की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लायन आई केयर सेंटर के चेयरमैन राकेश रोमाणा, डायरेक्टर प्रदीप सिंगला, लायन क्लब के प्रधान कुलभूषण माहेश्वरी, सचिव सुरिंदर गर्ग (सेवानिवृत्त आर.ए.) तथा वित्त सचिव जीवन गर्ग रिंकू के कुशल नेतृत्व में यह संस्था एक जनरल अस्पताल भी चला रही है, जहां 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं। लायन क्लब में मरीजों को भोजन परोसते भारत माता अभिनंदन संगठन के पदाधिकारी।

लाल घनीचे वाले, सुधांशु जिंदल सुखबीर एग्री व खुशाल सिंगला खेवी ने अपने कर कमलों से मरीजों को भोजन परोसा बिदू बादल ने लायन क्लब के उपरोक्त कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मंडी के लोगों को लायन आई केयर सेंटर जैतो को पूर्ण सहयोग देना चाहिए क्योंकि इससे क्षेत्र में जैतो का गौरव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वैष्णव वे हैं जो दूसरों के दर्द को समझते हैं। पंद्रहवीं शताब्दी के प्रसिद्ध वैष्णव भक्त नरसिंह मेहता द्वारा रचित भजन 'वैष्णव जन तो लेने कहिए जो पीड़ पराई जान रे' की पहली पंक्ति में भी यही बात कही गई है। लायन क्लब

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की आंतरिक समिति की उच्च स्तरीय बैठक 21 को होगी

समाज जागरण रघुनंदन पराशर जैतो पंजाब चीफ ब्यूरो
पंजाब/अमृतसर, 18 फरवरी (रघुनंदन पराशर): शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की सर्वोच्च स्तरीय बैठक 21 फरवरी को होगी। शिरोमणि कमेटी कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञापन के माध्यम से शिरोमणि कमेटी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने बताया कि अंतरिम कमेटी की बैठक 21 फरवरी, 2025 को दोपहर 12 बजे शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य कार्यालय में निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि बैठक के बारे में सूचित करने के लिए एस.जी.पी.सी. की अंतरिम समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों को पत्र भेजा गया है।



जैतो सहाय क्लब एन.जी.ओ. संगठन के अध्यक्ष संदीप लूंबा ने अब तक 400 से अधिक पकड़े सांप

समाज जागरण रघुनंदन पराशर
पंजाब चीफ ब्यूरो
जैतो (पंजाब) 18 फरवरी : जैतो सहाय क्लब एन.जी.ओ., जैतो शहर में बेहतरीन सेवाएं प्रदान करने वाली संस्था है। सहाय एन.जी.ओ.के मुख्य सेवक समाजसेवी संदीप लूंबा द्वारा अब तक 400 से अधिक विषैले व विषहीन सांपों को पकड़कर घनी आबादी से दूर शहर के बाहर जंगल में छोड़ा जा चुका है। शहर में कहीं भी किसी घर, दुकान, फैक्ट्री, गोदाम या अन्य किसी स्थान पर सांप निकला तो लोग सहारा एन.जी.ओ.को कार्रवाई करेगी। हम संदीप लूंबा के संस्थापक को याद करते हैं, जो निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। उनका मानना है कि सांप फसलों के मित्र होते हैं, लेकिन सांपों के बारे में जानकारी के अभाव में



हर कोई उन्हें नहीं मारता। इसके विपरीत सांप किसानों और फसलों के मित्र होते हैं। सांप खेतों को नुकसान पहुंचाने वाले सैकड़ों प्रकार के जानवरों को खा जाते हैं क्योंकि प्रकृति का नियम है कि हर बड़ा जानवर छोटे को खाता है। पंजाब में केवल 8 प्रतिशत सांप ही जहरीले पाए जाते हैं। उनमें से बहुत कम जहरीले सांप मालवा क्षेत्र की धरती पर पाए जाते हैं। धामन और सफेद कोबरा जैसे अधिकांश गैर-जहरीले सांप बरसात के मौसम में पाए जाते हैं। हालांकि, कुछ सांप जहरीले भी होते हैं, जिसके कारण लोग पूरे साल उनसे डरते हैं। संदीप लूंबा ने समाज से अनुरोध किया है कि वे सांपों को मारकर उस संस्था के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके जानकारी देकर खुद और सांपों की रक्षा कर सकते हैं। ये सेवाएं संदीप लूंबा द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों को बिल्कुल मुफ्त प्रदान की जाती हैं।

केवल 8 प्रतिशत सांप ही जहरीले पाए जाते हैं। उनमें से बहुत कम जहरीले सांप मालवा क्षेत्र की धरती पर पाए जाते हैं। धामन और सफेद कोबरा जैसे अधिकांश गैर-जहरीले सांप बरसात के मौसम में पाए जाते हैं। हालांकि, कुछ सांप जहरीले भी होते हैं, जिसके कारण लोग पूरे साल उनसे डरते हैं। संदीप लूंबा ने समाज से अनुरोध किया है कि वे सांपों को मारकर उस संस्था के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके जानकारी देकर खुद और सांपों की रक्षा कर सकते हैं। ये सेवाएं संदीप लूंबा द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों को बिल्कुल मुफ्त प्रदान की जाती हैं।

स्वयं को आध्यात्मिकता से जोड़कर जीवन को सरल बनाए : सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो
पंजाब/जैतो, 18 फरवरी : संत निरंकारी मिशन द्वारा उदयपुर में एक भव्य संत समागम का आयोजन हुआ, जिसमें राजस्थान और गुजरात सहित बाड़मेर जिले से बड़ी संख्या में भक्तजन एकत्रित हुए। परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं परमसत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में यह दिव्य संत समागम का आयोजन आध्यात्मिकता, प्रेम और विश्वबंधुत्व का संदेश लेकर आया। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने प्रेरणादायक प्रवचनों में संगत को आत्मबोध का मार्ग अपनाने की सीख दी। उन्होंने कहा कि जब जीवन में अहंकार और भेदभाव मिट जाते हैं और परमात्मा की रोशनी से अंतर्मन प्रकाशित हो जाता है, तब जीवन सहज और सरल हो जाता है। क्षमा, प्रेम और सेवा की भावना को अपनाकर ही हम सच्चे आनंद को प्राप्त कर सकते हैं। राजपिता रमित जी ने अपने विचार रखते हुए सतगुरु के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सतगुरु प्रेम और समर्पण का पाठ पढ़ाते हैं, और जब हम ईर्ष्या व द्वेष की दीवारों को



गिराकर प्रेमभाव अपनाते हैं, तभी सच्ची आध्यात्मिकता को अनुभव कर सकते हैं। समागम में भजन और कविताओं की मधुर प्रस्तुतियों ने भक्तों को आध्यात्मिक रसधारा में सराबोर कर दिया। इस आयोजन की सफलता के लिए लंगर, चिकित्सा सुविधा, पार्किंग एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया गया, जिसमें स्थानीय प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा। निरंकारी समागम के दौरान निरंकारी प्रदर्शनों भी मुख्य

आकर्षण केंद्र बना रहा। इस दिव्य आयोजन से पूर्व तीन दिवसीय 'निरंकारी यूथ सिम्पोजियम' का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को आध्यात्मिकता और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ने की प्रेरणा दी गई। इस विशेष सत्र में खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और छह तत्वों पर आधारित विचार-मंथन ने युवाओं को एक नई दिशा दी। समागम दिवस पर उदयपुर के महाराज कुमार लक्ष्मण सिंह मेवाड़ ने भी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह समागम न केवल एक आध्यात्मिक मिलन था, बल्कि सेवा, समर्पण और प्रेम की भावना से ओत-प्रोत एक दिव्य संगम था, जिसने हर हृदय को आनंद और आत्मिक शांति से भर दिया। भक्तों ने सतगुरु के आशीर्वाद से इस अनमोल अवसर का भरपूर लाभ उठाया और जीवन को सरल व सार्थक बनाने की प्रेरणा प्राप्त की। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज, राजपिता रमित जी व श्रद्धालुओं का हजूम।

सोनभद्र

स्पलाई के पानी में, सीवर के गंदे पानी मिश्रित होने पर रहवासियों में जबरदस्त आक्रोश

रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 17 का मामला
सदर संवाददाता अल्ताफ कादरी। दैनिक समाज जागरण सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 रोडवेज गली में पिछले एक हफ्ते से सीवर का गंदा पानी स्पलाई होने पर रहवासियों में आक्रोश अधिशासी अधिकारी की पत्र देकर मामले में सज्ञान लेने की लगाई गुहार। रहवासी प्रीतम पाल सिंह, अजय कुमार, राधेश्याम, राजेश, पंकज कुमार आदि लोगों ने मंगलवार को रॉबर्ट्सगंज अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव को पत्र देकर अवगत कराया कि पिछले 7 दिनों से स्पलाई के पानी में सीवर का पानी मिल रहा है जिससे उनके रहने-सहन खान पान में काफी अशुद्ध जल उपलब्ध हो रही है, मामले में जल्द से जल्द निराकरण कराए जाने को पत्र देकर अवगत कराया गया। वहीं अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव ने बताया कि मामला सज्ञान में आया है कहां से यह स्पलाई कैसे खराब पहुंच रही है जिसकी जांच के लिए संबंधितों को बता दिया गया है हर जगह स्पलाई साफ पानी की कराई जा रही है अब इन वाडों में किन फाल्ट से यह उत्पन्न हो रहा है जल्दी इसका निराकरण कर दिया जाएगा।



थाना चोपन पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता आदिवासी सुनील त्रिपाठी। दैनिक समाज जागरण चोपन/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एंव अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय न्यायिक मॉनिटरिंग जनपद सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में आज दिनांक 18.02.2025 को 01 नफर वारण्टी अभियुक्त शिवकुमार उर्फ रामगरीब पुत्र स्व0 मुकुन्दरी निवासी वैष्णो मंदिर के पिछे डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 59 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।



एसपी ने समस्त थानों के सीसीटीएनएस कर्मियों के साथ की मासिक बैठक

संवाददाता राजा उर्फ इमरान। दैनिक समाज जागरण सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा जनपद के समस्त कम्प्यूटर ऑपरेटर्स व सीसीटीएनएस आरक्षियों/ मुख्य आरक्षियों के साथ मासिक मीटिंग की गयी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम कर्मियों का हाल-चाल जाना तथा थानों पर चल रहे सिस्टम कार्य की समीक्षा की गयी तथा सीसीटीएनएस पोर्टल के माध्यम से समय से निस्तारण के लिए बताया गया तथा कार्य में गुणवत्ता व कार्यकुशलता को बेहतर करने के लिए सभी कम्प्यूटर ऑपरेटर्स व सीसीटीएनएस कर्मियों को जरूरी अपडेट के बारे में बताया गया तथा उनसे फिडबैक भी लिया गया।



अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व करेंगे नगर पंचायत ओबरा शिकायत मामले की जांच

दैनिक समाज जागरण
संवाददाता शिव प्रताप सिंह ओबरा सोनभद्र।ओबरा नगर पंचायत ई0ओ द्वारा मुख्यमंत्री जी के द्वारा बनाये पोर्टल पर नियम विरुद्ध आख्या अधिकारी कि जगह जनप्रतिनिधि द्वारा लगवाया गया व आउटसोर्स कर्मचारियों की जनसूचना अधिकार के तहत भ्रामक व अपूर्ण सूचना देकर किया जा रहा मनमानी इस पुरे मामले की गम्भीरता पूर्वक लेते हुये जांच कराए जाने को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता राकेश केशरी द्वारा पत्र मुख्यमंत्री महोदय, निदेशक नगर निकाय, आयुक्त मिजापुर् मण्डल, जिलाधिकारी सोनभद्र को 5 बिन्दुओं पर भेजा गया। नगर पंचायत ओबरा में भ्रष्टाचार की शिकायत किया गया था जो नगर विकास विभाग निदेशक महोदय को संबोधित था जिसकी जांच किसी उच्च स्तर जनपद के अधिकारी द्वारा कराया जाना चाहिए था परंतु उक्त जांच जनपद सोनभद्र ओबरा ई0ओ महोदय



के पोर्टल/आई0जी0आर0एस पोर्टल पर प्रेषित कर दिया गया जिसकी ई0ओ ने कोई जांच नहीं किया न ही कोई निदान करने का प्रयास किया जिसमें फर्जी तरीके से मनमानी आख्या लगाया गया मुख्य बात तो यह है इस जनसूचना पोर्टल/ आई0 जी0 आर0 एस पर आख्या प्रारूप पर जांच अधिकारी/कार्मिक का हस्ताक्षर नगर पंचायत चेयरमैन श्रीमती चान्दी देवी का हस्ताक्षर भीमती ओबरा आख्या अपलोड कर दिया गया है जबकि जनसूचना पोर्टल/आई0जी0आर0एस पोर्टल या

सरकारी विभाग में किसी भी पत्राचार में जनप्रतिनिधि कभी जांच अधिकारी नहीं हो सकता और जिसके खिलाफ जांच वही जांच अधिकारी बने यह विधि विरुद्ध है मुख्यमंत्री पोर्टल पर आखिर चेयरमैन का जांच अधिकारी वाला पत्र कैसे अपलोड हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश केशरी के शिकायत सभी बिन्दुओं को सज्ञान में लेते हुये जिलाधिकारी सोनभद्र बदनौथा सिंह ने अपर जिलाधिकारी सोनभद्र सहदेव किशा वित्त एवं राजस्व को जांच हेतु निर्देशित किया गया।

दो दोषियों को 5-5 वर्ष का सश्रम कारावास

- 5-5 हजार रूपए अर्थदंड, न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी - अभियुक्तगणों की जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी - ढाई वर्ष पूर्व हुए जहर-खुरानी का मामला - अर्थदंड की धनराशि का 75 प्रतिशत पीड़ित को मिलेगा



संवाददाता राजा उर्फ इमरान। दैनिक समाज जागरण सोनभद्र। ढाई वर्ष पूर्व हुए जहरखुरानी के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश रविंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने दोषिसिद्ध पाकर दोषियों राजन केशरी व पिंटू उर्फ राकेश शाह को 5-5 वर्ष की कैद व 5-5 हजार रूपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अर्थदंड की धनराशि का 75 प्रतिशत पीड़ित को मिलेगा। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शुभांशु पुत्र कमलेश चंद्र ने चोपन थाने में दो तहरीर में अवगत कराया था कि वह बर्जर पेट्स में डीएसओ पद पर कार्यरत है। कार्य के दौरान सुकृत से

जूता मोजा, बॉटल, पांच हजार रुपये नगद, मोबाइल आदि सामान गायब है। परिवार वालों ने उक्त कार्ड को बंद कराने की सूचना के बाद पता चला कि रेणुकृत में एटीएम से 32 हजार रुपये खाते से निकाल लिया गया था। इस तहरीर पर 29 अगस्त 2022 को पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में राजन केशरी पुत्र काशी केशरी निवासी खरागिया अमाव, थाना चैनपुर, जिला कैमूर बिहार व पिंटू उर्फ राकेश शाह पुत्र प्यारे शाह निवासी अमाव, थाना चैनपुर, जिला कैमूर बिहार के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषिसिद्ध पाकर दोषियों राजन केशरी और पिंटू उर्फ राकेश शाह को दोषिसिद्ध पाकर 5-5 वर्ष का सश्रम कारावास व 5-5 हजार रूपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि का 75 प्रतिशत पीड़ित को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेंद्र शरण रां ने बहस की।

पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा प्रतिदिन की माति जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

संवाददाता राजा उर्फ इमरान। दैनिक समाज जागरण सोनभद्र। प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक-18.02.2025 को श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीर्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से



पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना

सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

भाकियू लोकशक्ति जनपद सोनभद्र का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रीया पटेल से की मुलाकात

तहसील संवाददाता अरुण पांडेय (गुरुजी) दैनिक समाज जागरण घोरावल/ सोनभद्र। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति जनपद सोनभद्र के जिला अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा के नेतृत्व में सोनभद्र जनपद के घोरावल तहसील में ग्राम भैसवार में वर्षों से हो रहे चकबंदी प्रक्रिया में चकबंदी अधिकारियों द्वारा किये जा रहे अनियमितता के विरोध में आज दिनांक 18 फरवरी 2025 को केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रीया पटेल जी से मिजापुर् अपना दल कार्यालय पर जाकर मुलाकात किया और इस अनियमित को दूर कर चकबंदी प्रक्रिया को निरस्त करने का आग्रह किया। जिलाध्यक्ष बिरजू कुशवाहा के साथ जिला मीडिया प्रभारी सोनभद्र बृजेश कुमार सिंह, जिला महासचिव संजय यादव, रामपाल पटेल तहसील अध्यक्ष घोरावल,



सोनभद्र आदि रहे। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के प्रदेश प्रमुख महासचिव बजरंगी कुशवाहा, जिला अध्यक्ष मिजापुर् धर्मदेव उपाध्याय जिला सचिव मिजापुर् परशुराम मिश्रा जसवंत आदि लोग उपस्थित रहे।

थाना शाहगंज पुलिस ने गैंगोस्ट एक्ट का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता अरुण पांडेय (गुरुजी) दैनिक समाज जागरण शाहगंज/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल के पर्यवेक्षण में थाना शाहगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत सु0अ0सं0-

01/2025 धारा 3(1) गैंगो अर्धनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विनोद कुमार मौया पुत्र दिनेश्वर प्रसाद मौया निवासी जुटाओंवा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 29 वर्ष को दिनांक 17.02.2025 को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

कुएं में गिरने से एक अबोध बालक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

संवाददाता आनन्द कुमार। दैनिक समाज जागरण दुद्धी/ सोनभद्र। तहसील क्षेत्र अंतर्गत विंडमगंज थाना के सुखड़ा गांव में कुएं में गिरने से एक मासूम बालक की मौत हो गई। मृतक के दादा ने बताया कि मेरा नाती डेढ़ वर्षीय कृष्णा कुमार पुत्र गोरखनाथ निवासी सुखड़ा घर के बाहर स्थित कुएं में फिसल कर गिर गया। जिससे कुएं में डूबने से उसकी मौत हो गई। जिस वक्त यह घटना हुआ उस वक्त मृतक मासूम बालक की माँ खाना बना रही थी। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने



पंचनामा के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। और पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटा

गई। मासूम बालक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया और रो रोकर बुरा हाल है।

नगर पालिका परिषद कार्यालय में नक्शा कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो रणविजय सिंह मीरजापुर :

चुनार नगर पालिका परिषद सभागार में मंगलवार को नक्शा कार्यक्रम का शुभारंभ भारत सरकार के नोडल अधिकारी, भूमि सर्वेक्षण अधिकारी लखनऊ बी0 पाण्डेय, उपजिलाधिकारी राजेश वर्मा, पालिकाध्यक्ष मंसरु अहमद, अधिशासी अधिकारी राजपति बैर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस योजना में नगरीय क्षेत्रों में डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड माइनाइजेशन प्रोग्राम के अन्तर्गत नगरीय आबादी के भूमि अभिलेखों का निर्माण सुनिश्चित किया जाना है। योजना के नोडल अधिकारी ने बताया कि जिस तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में धरौती योजना के अंतर्गत भू स्वामित्व का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है उसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में भी रहने वाले लोगों को सर्वे कर उनके स्वामित्व संबंधित अभिलेखों



को तैयार किया जाएगा जिससे भूमि संबंधित विवादों को हल करने में सहाूलियत होगी। उन्होंने बताया कि ड्रोन की सहायता से पहली बार में पूरे पालिका क्षेत्र का एक नक्शा तैयार किया जाएगा उसके बाद उसमें छोटे छोटे भाग होंगें जिनमें उस भाग में रहने वाले लोगों के स्वामित्व की जमीनों का विवरण होगा। तैयार अभिलेख एवं नक्शा को पूरी पारदर्शिता के साथ तैयार किया जाएगा जिसमें भूमि के बारे में

जानकारी किसी भी स्तर पर लोग देख सकेंगें जो प्रमाणित होगा। इस दौरान मेजर कृपा शंकर सिंह,विजय कुमार वर्मा, चन्द्रहास गुला ज्योति प्रकाश सिंह ,सभासद सुजीत यादव, गौतम जायसवाल, सुरेश यादव, किशन मोहनवाल विकास कश्यप, मन्सु साहनी,जलकल अवर अभियंता सौरभ सिंह, सफाई निरीक्षक लालमणि यादव, कर निरीक्षक अजीत यादव, प्रधान लिपिक शैलेश आदि प्रमुख मौजूद रहे।

पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार चार घायल दो की हालत गंभीर मण्डलीय चिकित्सालय रेफर

दैनिक समाज जागरण संवाददाता हलिया (मीरजापुर):

स्थानीय थाना क्षेत्र के देवरी बाजार से पहले एक ढाबा के पास मंगलवार की देर शाम तेजगति से आ रहे पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार चार युवक घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद दो युवकों की हालत गंभीर देखकर मण्डलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है जबकि दो युवकों का उपचार किया जा रहा है हलिया थाना क्षेत्र के मनिगढा गांव निवासी 24 वर्षीय सौपू व गांव निवासी 18 वर्षीय लवकुश व 21 वर्षीय जनकृष्ण गोड़ अपने साथी मध्य प्रदेश के सिंगरौली जनपद के चितरंगी थाना क्षेत्र के जङ्कुड़ गांव निवासी 36 वर्षीय विजय कुमार जायसवाल के साथ बाइक से मध्य प्रदेश के बगदरा दोस्त की शादी में एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे की जैसे ही

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा ने झज्जर के एनसीआई-एम्स में दूसरे एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की स्थिति बदल रही है और एनसीआई जैसे संस्थानों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट संभव हुआ है: श्री नड्डाआयुधमान आरोग्य मंदिरों में 26 करोड़ से अधिक लोगों की ओलर कैंसर, 14 करोड़ लोगों की ब्रेस्ट कैंसर और 9 करोड़ लोगों की सर्वाइकल कैंसर की जांच की गई एंकी-पीएमजेएवाई के तहत नामांकित मरीजों के 30 दिनों के भीतर कैंसर के इलाज तक पहुंच में 90 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई देश भर में फैली 217 अमृत फार्मसियों के माध्यम से कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के लिए 5200 दवाएं सही दर पर उपलब्ध कराई गई हैं 289 ऑन्कोलॉजी दवाइयों बाजार मूल्य से 50 प्रतिशत तक की छूट पर दी जा रही हैं, जिससे 5.8 करोड़ लाभार्थियों को कुल 6567 करोड़ रुपये की बचत हुई है झज्जर के एनसीआई-एम्स के लिए 720 अतिरिक्त पदों की घोषणा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज झज्जर के एम्स परिसर स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) में दूसरे एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। झज्जर के एम्स परिसर का राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) भारत में सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्त पोषित स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में से एक है, जो अभिनव

कैंसर देखभाल और अनुसंधान क्षमताएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव का उद्देश्य भारत के सभी राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएमआई) में ऑन्कोलॉजी के प्रमुखों विशेषज्ञों को एक साथ लाना है, ताकि कैंसर देखभाल, उपचार पद्धतियों और मौजूदा अनुसंधान पहलों में प्रगति पर चर्चा की जा सके। ब्रेस्ट कैंसर और स्िर व गर्दन के कैंसर पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कॉन्क्लेव ने ऐसे कैंसर की रोकथाम और प्रबंधन में सहयोगी प्रयासों पर जोर दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री नड्डा ने 2019 में इसके उद्घाटन के बाद से एनसीआई के विकास और प्रगति पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि संस्थान 6 वर्ष की छोटी सी अवधि में एक विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में विकसित हो गया है और समय के साथ, यह बहु-विषयक देखभाल तथा बेहतर रोगी-केन्द्रित देखभाल प्रदान करने वाले एक रेफरल केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने इस दिशा में प्रगति के लिए संस्थान के डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासन के समर्पण की सराहना की। श्री नड्डा ने एनसीआई में नवीनिर्मित न्यूक्लियर मेडिसिन टागेटेंड ट्रीटमेंट वाई में बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) यूनिट का भी विशेष दौरा किया, जिसका उद्देश्य क्रमशः

थायरॉयड कैंसर और हेमेटोलिम्फोइड कैंसर के लिए अत्याधुनिक उपचार विकल्पों के माध्यम से रोगी के परिणामों में सुधार करना है। इन विस्तार के महत्व को रेखांकित करते हुए, श्री नड्डा ने कहा ये नई सुविधाएं इस क्षेत्र के कई कैंसर रोगियों को अत्याधुनिक देखभाल प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में, भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की स्थिति बदल रही है और एनसीआई जैसे संस्थानों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट संभव हुआ है। उन्होंने न्यूक्लियर मेडिसिन टागेटेंड ट्रीटमेंट वार्ड की उच्च-गुणवत्ता वाली सटीकता और उच्च-गुणवत्ता वाली सेवाओं की प्रशंसा की तथा रेखांकित किया कि ये सुविधाएं हार्डवेयर हैं जबकि संकाय सदस्य और डॉक्टर मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली विकसित करने के सॉफ्टवेयर हैं। श्री नड्डा ने यह भी कहा "कैंसर एक कठिन निदान है जो भय पैदा करता है- न केवल बीमारी का, बल्कि भविष्य का, आजीविका का, प्रियजनों को खोने का, और अपरिहार्य आर्थिक और भावनात्मक तनाव का।" उन्होंने इंफोसिस फाउंडेशन द्वारा विकसित एनसीआई में विश्राम सदन का भी दौरा किया और सराहना की। यह मरीजों के परिचारकों (अटेंडेंट) के लिए किफायती आवास प्रदान करता है, जिससे चुनौतीपूर्ण

समय के दौरान परिवारों को सहायता मिलती है। यह जरूरतमंदों को मनोवैज्ञानिक और शैक्षिक सहायता भी प्रदान करता है, जो एम्स के लिए एक मानक स्थापित करता है। संस्थान में नवाचार की सराहना करते हुए, श्री नड्डा ने कहा संस्थान स्टार्टअप के साथ सहयोग कर रहा है, पीएचडी छात्रों को शामिल कर रहा है और एम्स के वैज्ञानिकों को ऐसे अनुसंधान में शामिल कर रहा है, जिसमें न केवल बाजार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग होंगे। एक इन्क्यूबेटर के रूप में, सेंटर मेडिकल इन्वेस्टमन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्वदेशी नवाचारों को आगे बढ़ाने और उनका सहयोग करने के लिए जिम्मेदार है। भारतीय स्टार्ट-अप को एम्स के संकाय और शिक्षा और अच्छा स्वास्थ्य देने के साथ ही साथ उन्हें "साहसी एवं निर्भ्रंज भी बनाएं जिससे कि वह अपने जीवन में आने वाले विपरीत परिस्थितियों का निडरता पूर्वक सामना कर सकें। वन स्टॉप सेंटर केंद्र प्रबंधक पूजा मौर्य द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें कई सरकारी निःशुल्क योजनाओं से भी परिचित कराने के

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 को संबोधित किया

बड़े राष्ट्र हों या वैश्विक मंच आज भारत में उनका विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है : प्रधानमंत्री विकसित भारत के विकास की गति उल्लेखनीय है : प्रधानमंत्री कई आकांक्षी जिले अब देश के प्रेरणादायक जिलों में बदल गए हैं : प्रधानमंत्री बैकबिग सुविधा से वंचितों को जोड़ना, असुरक्षित लोगों को सुरक्षित करना और गैर-विा विपणित लोगों को धन की उपलब्धता सुनिश्चित कराना हमारी रणनीति रही है : प्रधानमंत्री हमने व्यापार चिंता को कारोबार में सुलभता में बदल दिया है : प्रधानमंत्री भारत पहली तीन औद्योगिक क्रान्तियों में उन्हीं के साथ मिलाकर चल रहे हैं। प्रांस और अमेरिका की अपनी यात्रा से कल लौटे श्री मोदी ने कहा कि आज चाहे बड़े देश हों या वैश्विक मंच भारत में उनका विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भावना पैरिस में एआई एक्सान समिट में भी परिलक्षित हुई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक भविष्य की चर्चाओं के केंद्र में है और कुछ मामलों में भी अग्रणी है। उन्होंने कहा कि यह 2014 के बाद से भारत में सुधारों की एक नई क्रांति का परिणाम है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत पिछले दशक में दुनिया

की शीर्ष 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है, जो विकसित भारत के विकास की गति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कुछ ही वर्षों में लोग जल्द ही भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते देखेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे युवा देश के लिए यह आवश्यक गति है और भारत इसी गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि पिछली सरकारें कड़ी मेहनत न करने की मानसिकता के साथ सुधारों से बचती थीं। उन्होंने कहा कि आज भारत में जो सुधार किए जा रहे हैं, वे पूरे विश्वास के आदर किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस बात पर शायद ही कोई चर्चा हुई हो कि बड़े सुधार देश में कैसे महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में उपनिवेशवाद (गुलामी) के बोझ तले जीना एक आदरत बन गई थी। आजादी के बाद भी ब्रिटिश काल के अवशेषों को ढोया जाता जाता रहा। उन्होंने एक उदाहरण दिया जहां 'न्याय में देरी, न्याय न मिलना है' जैसे वाक्यांश लंबे समय तक सुने जाते रहे, लेकिन इस मुद्दे के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि समय के साथ लोग इन चीजों के इतने आदी हो गए कि उन्हें बदलाव की जरूरत ही नजर नहीं आई। उन्होंने कहा कि एक ऐसा परिस्थितिकी तंत्र है जो अच्छी चीजों के बारे में चर्चा नहीं होने देता है और ऐसी चर्चाओं को रोकने में ऊर्जा लगाता है। श्री मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में सकारात्मक चीजों पर चर्चा और मंथन होना महत्वपूर्ण है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक नैरेटिव बनाया गया है कि कुछ नकारात्मक कहना या नकारात्मकता फैलाना लोकतांत्रिक माना जाता है, जबकि अगर सकारात्मक चीजों पर चर्चा की जाती है, तो लोकतंत्र को कमजोर करार दिया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस मानसिकता से बाहर आना जरूरी है। इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल तक भारत में 1860 की दंड संहिताएं थीं, जिनका उद्देश्य औपनिवेशिक शासन को मजबूत करना और भारतीय नागरिकों को दंडित करना था। इस पर श्री मोदी ने कहा कि सजा पर आधारित व्यवस्था न्याय तले दे सकती, जिससे लंबे समय तक न्याय मिलने में

देरी होती थी। उन्होंने कहा कि 7-8 महीने पहले नए भारतीय न्यायिक संहिता के कार्यान्वयन के बाद से उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि एक ट्रिपल मर्डर के मामले में एकआईआर दर्ज करने से लेकर सजा सुनाए जाने तक की केवल हो गई। इसी तरह एक नाबालिग की हत्या के मामले का निपटारा 20 दिन के अंदर कर लिया गया। प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात में 9 अक्टूबर, 2024 को एक गैंगरेप के मामले में 26 अक्टूबर तक आरोप पत्र दाखर किया गया और आज (15 फरवरी) अदालत ने आरोपियों को दोषी ठहराया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश का एक और उदाहरण दिया, जिसमें एक 5 महीने के बच्चे से जुड़े अपराध में अदालत ने अपराधी को 25 साल की सजा सुनाई। इस केस में डिजिटल साक्ष्य ने बड़ी भूमिका निभाई। एक अन्य मामले में ई-प्रिजन मॉड्यूल ने एक बलात्कार और हत्या के संदिग्ध का पता लगाने में सहायता की, जो पहले किसी अन्य राज्य में अपराध के लिए जेल जा चुका था, जिससे उसकी त्वरित गिरफ्तारी हुई। उन्होंने कहा कि अब ऐसे कई उदाहरण हैं जहां लोगों को समय पर न्याय मिल रहा है। संपत्ति अधिकारों से संबंधित एक बड़े सुधार की ओर इशाा करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन का उल्लेख किया जो दर्शाता है कि किसी भी देश में संपत्ति अधिकारों की कमी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में लाखों लोगों के पास संपत्ति के कानूनी दस्तावेजों का अभाव है। संपत्ति का अधिकार होने से गरीबी कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें इन जटिलताओं से अवगत थीं, लेकिन ऐसे चुनौतीपूर्ण कार्यों से बचती थीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के दृष्टिकोण से देश का निर्माण या संचालन नहीं किया जा सकता है। श्री मोदी ने कहा कि स्वामित्व योजना शुरू की गई, जिसमें देश के 3 लाख से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण हुआ और 2.25 करोड़ से अधिक लोगों को संपत्ति काई मिले। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में 100 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति को खोजा जा सका है उन्होंने कहा कि यह संपत्ति पहले ही मौजूद थी, लेकिन संपत्ति के

अधिकार के अभाव के कारण इसका उपयोग आर्थिक विकास के लिए नहीं किया जा सका। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संपत्ति के अधिकार के अभाव के कारण ग्रामीण बैंकों से ऋण प्राप्त नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा अब स्थायी रूप से हल हो गया है और आज देश भर से कई रिपोर्ेंट आ रही हैं कि स्वामित्व योजना संपत्ति काई से लोगों को कैसे लाभ होता है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान की एक महिला के साथ हाल ही में हुई बातचीत साझा की। उन्होंने बताया कि उस महिला को इस योजना के तहत संपत्ति काई प्राप्त हुआ। उसका परिवार 20 वर्षों से एक छोटे से घर में रह रहा था और जैसे ही उसे संपत्ति काई मिला उसके बाद उसने एक बैंक से लगभग 8 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस पैरे से उन्होंने एक दुकान शुरू की और अब इस आद से वह परिवार चलाती है। बच्चों की उच्च शिक्षा का खर्च पूरा करती है। दूसरे राज्य के एक अन्य उदाहरण को साझा करते हुए पीएम ने कहा कि एक ग्रामीण ने एक बैंक से 4.5 लाख रुपये का ऋण प्राप्त करने के लिए अपने संपत्ति काई का उपयोग किया और परिवहन व्यवसाय शुरू करने के लिए एक वाहन खरीदा। दूसरे गांव में एक किसान ने अपनी जमीन पर आयुनिक सिंचाई सुविधाएं स्थापित करने के लिए अपने संपत्ति काई पर ऋण का उपयोग किया। प्रधानमंत्री ने ऐसे कई उदाहरणों पर प्रकाश डाला जहां गांवों और गरीबों को इन सुधारों के कारण आय के नए रास्ते मिले हैं। उन्होंने सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की वास्तविक कहानियां बताईं जो आमतौर पर समाचार पत्रों और टीवी चैनलों में सुर्खियां नहीं बनती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आजादी के बाद खराब शासन व्यवस्था की वजह से देश के कई जिले विकास से अछूते रह गए। श्री मोदी ने कहा कि इन जिलों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उन्हें पिछड़ा करार दिया गया और उनके हाल पर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि कोई भी उनके मुद्दों को हल करने को तैयार नहीं था और सरकारी अधिकारियों को सजा के रूप में पोटियां कर वह भेजा गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने 100 से अधिक जिलों को आकांक्षी जिले घोषित करके इस दृष्टिकोण को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म स्तर पर

प्रशासन में सुधार के लिए युवा अधिकारियों को इन जिलों में भेजा गया, जिन्होंने उन पैरामीटर्स पर काम किया, जिसकी वजह से ये जिले पिछड़ गए थे और प्रमुख सरकारी योजनाओं को मिशन मोड में लाएू किया। उन्होंने कहा कि आज इममें से कई आकांक्षी जिले प्रेरणादायक जिले बन गए हैं। एक उदाहरण का हवाला देते हुए श्री मोदी ने कहा कि 2018 में असम के बारपेटा में केवल 26 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालयों में छात्र-शिक्षक अनुपात सही था, जो अब शत-प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के बेगुसराय में पूरक पोषण प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या 21 प्रतिशत थी और उत्तर प्रदेश के चंदौली में यह संख्या 14 प्रतिशत थी जबकि आज दोनों जिलों ने 100 प्रतिशत हासिल किया है। प्रधानमंत्री ने बाल टीकाकरण अभियानों में उल्लेखनीय सुधार का भी उल्लेख किया। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में 49 प्रतिशत से बढ़कर 86 प्रतिशत हो गया, जबकि तमिलनाडु के रामनाथपुरम में यह 67 प्रतिशत से बढ़कर 93 प्रतिशत हो गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐसी सफलताओं को देखते हुए देश में 500 ब्लॉकों को अब आकांक्षी ब्लॉक घोषित किया गया है और इन क्षेत्रों में तेजी से काम चल रहा है। शिखर सम्मेलन में मौजूद उद्योग जगत के दिग्गजों के व्यापार में दशकों के अनुभव को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने उदा किया कि कैसे भारत में व्यावसायिक वातावरण उनकी इच्छा सूची का हिस्सा हुआ करता था। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में हुई प्रगति पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक दशक पहले भारतीय बैंक संकट में थे और बैंकिंग प्रणाली नाजुक थी, क्योंकि लाखों भारतीय बैंकिंग प्रणाली से बाहर थे। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में से एक है जहां ऋण तक पहुंच सबसे चुनौतीपूर्ण है। श्री मोदी ने कहा कि इन जिलों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उन्हें पिछड़ा करार दिया गया और उनके हाल पर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि कोई भी उनके मुद्दों को हल करने को तैयार नहीं था और सरकारी अधिकारियों को सजा के रूप में पोटियां कर वह भेजा गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने 100 से अधिक जिलों को आकांक्षी जिले घोषित करके इस दृष्टिकोण को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म स्तर पर

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आज विकासखंड मड़वा में कैप का आयोजन किया गया

दैनिक समाज जागरण

जिला रिपोर्टर –संतोष कुमार सिंह उर्फ गूडू सिंह

मड़वा /कछवा (मीरजापुर)आज दिनांक 18 2 2025 दिन मंगलवार को विकासखंड मजावा की सभागार में क्षेत्र पंचायत प्रमुख दिलीप कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह की अध्यक्षता में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित कैप में काफी संख्या में क्षेत्र पंचायत मड़वा के विभिन्न ग्राम सभाओं से काफी लाभार्थी आकर के अपने-अपने समस्याओं के बारे में डॉक्टर से संपर्क स्थापित कर अपना-अपना जांच करवाते हुए अपने विकलांगता का प्रमाण पत्र बनवाए किन्हे किस सामान की आवश्यकता है कौन कितने परसेंट विकलांग है उन सभी के कार्य को देखते हुए सब का सत्यापन किया गया और प्रमाण पत्र बनाया गया इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव सहायक विकास अधिकारी कृषि विजय प्रताप सिंह सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री कृष्ण उपाध्याय एवं ग्राम विकास

अधिकारी अनिल कुमार आशुतोष कुमार यादव अजय कुमार संतोष कुमार सिंह रागिनी चौधरी ग्राम पंचायत अधिकारी आकाश कुमार शर्मा प्रीति सिंह शिवराम सोनकर के साथ-साथ दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से आए हुए समस्त डॉक्टर सहयोग में सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण विनोद कुमार शुक्ला की इव्टी विंध्याचल कुंभ मेला में लगने के कारण उन्होंने अपनी जगह अपने अधीनस्थ चंद्रेश कुमार को दिव्यांगजन विभाग के सहयोग के लिए विकासखंड मड़वा में ऑनलाइन करने के लिए लगा रखा था बडेे ही शांतिपूर्वक समस्त लाभार्थियों का जांचों प्राप्त सभी का किस लाभार्थी को किस चीज का जरूरत के प्रतिनिधि द्वारा उपकरण के बारे में सभी लाभार्थियों को अवगत करा दिया गया है इस कैप में लगभग 500 के आसपास लाभार्थी मौजूद रहे जिसमें से की काफी लोगों का प्रमाण पत्र पहले ही बन चुका है

प्राथमिक विद्यालय सोठिया कला परिसर में लगा दस केवीए का ट्रांसफार्मर दो माह से जला हुआ ऑनलाइन शिकायत के बाद भी नहीं बदला गया

दैनिक समाज जागरण

संवाददाता हलिया (मीरजापुर):

स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत सोठिया कला के प्राथमिक विद्यालय सोठिया कला के परिसर में लगा दस केवीए का ट्रांसफार्मर दो माह से जला हुआ है शिकायत के बाद भी विद्युत विभाग की लापरवाही से जला हुआ ट्रांसफार्मर आज तक नहीं बदला गया है जिससे विद्यालय में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है पेयजल के लिए बच्चो को हैंडपंप का सहारा लेना पड रहा है ट्रांसफार्मर जलने के कारण पंचायत भवन का कार्य भी प्रभावित हो रहा है पंचायत भवन का इन्वर्टर चार्ज नहीं हो पा रहा है जिससे विद्युत के अभाव में विकास कार्य प्रभावित हो रहा है सामुदायिक शौचालय का सबमरसिबल पंप विद्युत अभाव में नहीं चल पा रहा है जबकि ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिए ऑनलाइन टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी अवर अभियंता हलिया दया शंकर प्रजापति

की लापरवाही से जला हुआ ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका है अवर अभियंता द्वारा पीआर नहीं बनाये जाने से जला हुआ ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा रहा है शासन द्वारा 72 घंटे में जला ट्रांसफार्मर बदलवाने की बात हवा हवाई साबित हो रही है ग्राम प्रधान सोठिया कला के प्रतिनिधि विजय बहादुर ने बताया की प्राथमिक विद्यालय सोठिया कला के परिसर में लगा दस केवीए का ट्रांसफार्मर दो महीने से जला हुआ है ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के बाद भी विद्युत उपकेंद्र शिकायत के अवर अभियंता की लापरवाही से जला हुआ ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका है ट्रांसफार्मर जलने से प्राथमिक विद्यालय में पेयजल आपूर्ति के साथ पंचायत भवन व सामुदायिक शौचालय में पेयजल की आपूर्ति बाधित हो गई है इस संबंध में उपखंड अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया है की अगर जला ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया है तो अवर अभियंता से पीआर बनवा कर वर्क शाप भेजा जायेगा जल्द ही ट्रांसफार्मर को बदलावा दिया जायेगा

क्षय रोगियों को लिया गया गोद जागरूकता कार्यक्रम का अपर जिला जज ने किया शुभारम्भ

दैनिक समाज जागरण

ब्यूरो मीरजापुर :

कछवा क्रिश्चियन अस्पताल प्रांगण में महिला एवं बाल अधिकार विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं सोलह टीबी मरीजों को गोद लेने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक प्राधिकरण विनय अर्थां द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। संचालित कार्यक्रम के दौरान अपर जिला जल द्वारा अपने संबोधन में आई हुई महिलाओं को उनके अधिकारों से परिचित कराते हुए उन्हें बताया कि आप किसी भी अपने से जुड़े उत्पीड़न संबंधित शिकायत को जिले में स्थापित उचित पोर्टल पर कबचे उत्प्रेरित स्थिति से अपना कचाव कर सकती है, साथ ही साथ उनके द्वारा यह भी कहा गया कि आप सभी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और अच्छा स्वास्थ्य देने के साथ ही साथ उन्हें "साहसी एवं निर्भ्रंज भी बनाएं जिससे कि वह अपने जीवन में आने वाले विपरीत परिस्थितियों का निडरता पूर्वक सामना कर सकें। वन स्टॉप सेंटर केंद्र प्रबंधक पूजा मौर्य द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें कई सरकारी निःशुल्क योजनाओं से भी परिचित कराने के



क्रम में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा सामान्य, स्पर्ान्सरशिप योजना, किशोरियों के स्वास्थ्य माहवारी, दहेज , प्रबंधन शिक्षा के अधिकार अंतर्गत कक्षा एक से आठ तक निःशुल्क शिक्षा आदि सरकारी स्तर की कई योजनाओं की जानकारी उन्हें सबल बनाने की जिम्मेदारी के अंत में दे गई। वहीं आयोजित कार्यक्रम का संचालन कर रहे क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा उपस्थित जनों को टीबी रोग के प्रति जागरूक करने के क्रम में टीबी के समस्त लक्षणों एवं बचाव की उपाय बताए गए, तथा कहा गया कि टीबी रोग संबंधित जराएं इत्यां सभी सरकारी अस्पताल पर निःशुल्क देने के साथ-साथ सरकार द्वारा अब मिष्टानाह भी पूरे इलाज अवधि तक दिया जा रहा है। अंत में यादव द्वारा लोगों से अपील की गई कि आप

